वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :5 अंक : 59 | सोमवार 23 जून 2025 | दैनिक ई-पेपर

# शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

## रैंप पर उतरे स्टूडेंट्स के ट्रेंडी डिजाइनर कलेक्शन

### एनुअल फैशन शो 'पूर्णिमा ट्रेंड्स 2025' में दृश्य प्रदूषण, जलवायु संकट जैसे मुद्दों पर उठाया

**जयपुर. कासं।** फैशन जगत की नामी हस्तियों की मौजूदगी में स्टूडेंट्स के डिजाइनर कलेक्शन रैम्प पर प्रदर्शित किए गए तो इन्हें उपस्थित दर्शकों की भरपूर सराहना मिली। रविवार को यह अवसर था, पूर्णिमा यूनिवर्सिटी के फैकल्टी ऑफ डिजाइन एंड आर्ट्स के नवें एनुअल फैशन शो 'पूर्णिमा ट्रेंड्स 2025' का। इसमें यूनिवर्सिटी के स्टूडेंट्स द्वारा तैयार किए गए व विभिन्न तत्वों से प्रेरित डिजाइनर वियर शोकेस किए गए। फैशन डिजाइनर सामंत चौहान, जिफ फिल्म फेस्ट के फाउंडर हनु रोज व पेंसिल बॉक्स के डायरेक्टर अनुराग सिंघल शो में गेस्ट ऑफ ऑनर थे। इनके अलावा फैशन डिजाइनर श्वेता कोठारी, साक्षी खत्री, प्रिया जैन, वर्षा सेठी, पल्लवी सेठी, अंशिका गिल्बर्ट जोधका, रिषभ, मानवेंद्र सिंह और डॉ. स्वाति मलिक स्पेशल गेस्ट के तौर पर मौजूद रहे। इन्होंने यूनिवर्सिटी के अधिकारियों के साथ द्वीप प्रज्ज्वलन कर शो की शुरूआत की। उद्घाटन के बाद शो में एनीमे फैंटेसीज, अशम्ड फ्लावर, सेवन डेडली सिंस, रोमांटिसिज्म रीबॉर्न, द गॉग वे, सर्जिकल ब्यूटी, हिमालयन मोनाल रीबॉर्न, कॉन्ट्रास्ट, द ओड्स, विजुअल पॉल्यूशन, क्लाइमेट क्राइसिस, स्टेज फीयर, टेल ऑफ डायवर्स रूट, सर्वाइव, फैशन टूल मैनिपुलेशन, लेडी इन डिस्गाइज सहित 23 सीक्वेंस में स्टूडेंट्स के कलेक्शन प्रदर्शित किए गए। 'ट्रिब्यूट टू कार्ल लेगरफेल्ड' थीम कलेक्शन के साथ फैशन शो की शुरूआत हुई, जिसमें इटरनल इम्प्रिंट की विरासत के साथ मोनोक्रोम पैलेट, गढ़ी हुई सिल्हूट व बारोक की भव्यता का संयोजन देखने को मिला। विन्सेंट वैन गॉग की भावनात्मक प्रतिभा को समर्पित 'द गॉग वे' के परिधानों में गॉग की पेंटिंग्स के बोल्ड रंग, स्ट्रोक और गहरी भावनाएं साकार हुई। 'एनीमे फैंटेसीज' सीक्वेंस में जीवंत रंगों के साथ बचपन को आकार देने वाले बोल्ड सुपरहीरो, निडर लड़कियों व जादुई भूमि का अक्स देखने को मिला। डिजाइनर ने बताया कि यह कलेक्शन सिर्फ फैशन नहीं है, बल्कि इसके हर परिधान में सिली हुई स्मृति, भावना और आश्चर्य है।

## जयपुर समेत 27 जिलों में बारिश का अलर्ट

### माउंट आबू में 24 घंटे में 7 इंच पानी बरसा, दिल्ली-गुजरात हाईवे पर पानी भरा, पुलिया बही

**जयपुर. कासं**

राजस्थान में मानसून की बरसात जारी है। तेज बारिश से कई नदियां उफान पर हैं। जयपुर, कोटा, टोंक, सवाई माधोपुर, बारां, सिरोही में रविवार को कई जगह तेज बारिश हुई। उदयपुर, जोधपुर और बीकानेर संभाग में भी बादल छाए और कई जगह हल्की से मध्यम बारिश हुई। भीलवाड़ा में कोठारी नदी का पानी पुल के ऊपर से बहने लगा। सिरोही में नेशनल हाईवे (दिल्ली-गुजरात) पर पानी भर गया। इससे दिल्ली से कांडला (गुजरात) जाने वाला रूट बाधित हो गया। सिरोही में मूंगथला के आगे पुलिया बह गई। इससे रेवदर-आबूरोड का रास्ता बंद हो गया। बूंदी के भीमलत एरिया में नाला पार करते समय युवक बाइक समेत बहने लगा। लोगों ने उसे बचाया। मौसम विभाग ने सोमवार और मंगलवार दो दिन राजस्थान के पूर्वी हिस्से में भारी से अतिभारी बारिश की संभावना जताते हुए रेड और ऑरेंज अलर्ट जारी किया। 23 जून को जयपुर समेत 27 जिलों में बारिश का अलर्ट जारी किया गया है। राजस्थान में 1 जून से अब तक सामान्य से 133 फीसदी ज्यादा बारिश हो चुकी है। पिछले 24 घंटे के दौरान सिरोही, राजसमंद, कोटा, बूंदी, बारां, सवाई माधोपुर समेत कई जिलों में 1 से लेकर 3 इंच तक बरसात हुई। सिरोही के माउंट आबू में आज 181टट बारिश दर्ज हुई, इससे यहां कई नदियां उफान पर है और कई छोटे-बड़े गांवों और कस्बों का संपर्क दूसरे स्थानों से कट गया। तेज बारिश के कारण प्रदेश के कई बांधों में पानी की आवक हुई। बूंदी के गुढ़ा डैम, जयपुर के छापरवाड़ा, भीलवाड़ा के मेजा डैम, दौसा के मोरेल डैम समेत अन्य छोटे बांधों में भी पानी की आवक होने से यहां का गेज बढ़ गया।

### पश्चिमी राजस्थान में तेज गर्मी, पारा 42 डिग्री दर्ज

वहीं, बीकानेर, श्रीगंगानगर, जैसलमेर में रविवार को दिन का अधिकतम तापमान 40 डिग्री से ऊपर दर्ज हुआ। सबसे ज्यादा तापमान श्रीगंगानगर में 42.9 डिग्री दर्ज हुआ। जैसलमेर में अधिकतम तापमान 42.2 डिग्री, बीकानेर में 41.2 डिग्री, चूरू में 40.6 डिग्री और बाड़मेर में 38.9 डिग्री दर्ज हुआ।

### 27 जून तक बारिश का दौर जारी

मौसम केंद्र जयपुर के निदेशक राधेश्याम शर्मा ने बताया- उत्तर प्रदेश के ऊपर एक लो प्रेशर सिस्टम बना हुआ था, जो आज राजस्थान के पूर्वी हिस्सों की तरफ बढ़ रहा है। इस सिस्टम के असर से भरतपुर, जयपुर, अजमेर और कोटा संभाग के जिलों में 23 और 24 जून को भारी और कहीं-कहीं अतिभारी बारिश हो सकती है। वहीं पश्चिमी राजस्थान के बीकानेर संभाग के कुछ भागों में 25-27 जून के दौरान आंधी बारिश की गतिविधियों में बढ़ोतरी होने की संभावना है। उन्होंने बताया- बंगाल की खाड़ी में अगले कुछ दिन बैक टू बैक सिस्टम बनने की संभावना है, जिसके कारण राजस्थान में 27 जून और उसके बाद भी कई जगह हल्की से मध्यम और कहीं-कहीं भारी बारिश का दौर जारी रहने की उम्मीद है।

# लंदन की ब्रिटिश संसद में होगा 12वां भारत गौरव अवार्ड समारोह

## 3 जुलाई 2025 को 18 देशों के प्रतिनिधि होंगे शामिल, वैश्विक मंच पर भारतीय संस्कृति, सेवा व नेतृत्व पर संवाद होगा

**जयपुर. शाबाश इंडिया**

संस्कृति युवा संस्था द्वारा आयोजित 12वां भारत गौरव अवार्ड समारोह आगामी 3 जुलाई 2025 को ब्रिटिश संसद, लंदन में अत्यंत भव्य और गरिमामयी स्वरूप में आयोजित किया जाएगा। इस आयोजन में उन व्यक्तित्वों को सम्मानित करेगा, जिन्होंने भारतीय संस्कृति, सेवा, नवाचार, नेतृत्व और वैश्विक योगदान के क्षेत्र में अतुलनीय कार्य किए हैं। इस वर्ष 25 विशिष्ट हस्तियों को भारत गौरव अलंकरण से सम्मानित किया जाएगा, जो भारतीय मूल्यों और योगदान को विश्वपटल पर उजागर कर रहे हैं ! समारोह के मुख्य अतिथि परम पूज्य महंत डॉ. नरेश पुरी जी महाराज मेहंदीपुर बालाजी धाम होंगे। समारोह की अध्यक्षता माननीय नवेंदु मिश्रा सांसद यूनाइटेड किंगडम करेंगे। विशिष्ट अतिथि माननीय वीरेंद्र शर्मा , पाँच बार सांसद यूनाइटेड किंगडम बैरोनेश संदीप वर्मा, हाउस ऑफ लॉर्ड्स, यूके लार्ड रामी रांझर जी, हाउस ऑफ लॉर्ड्स, यूके राकेश के. शुक्ला, महाकुंभ सलाहकार विदेश मंत्रालय, भारत सरकार, अनु कपूर, प्रख्यात फिल्म अभिनेता, सुनील चोपड़ा, पूर्व मेयर लंदन बरो ऑफ साउथवार्क होंगे ।

**भारत गौरव पुरस्कार 2025 के सम्मानित प्राप्तकर्ता**

1. श्रीमती किरण अग्रवाल, संस्थापक-WOKA, चेयरपर्सन-हिंदुस्तान ज़िंक
2. सुनील खेतपालिया, उद्योगपति एवं समाजसेवी झ चेन्नई
3. जावेद अख्तर, पद्मभूषण/पद्मश्री-गीतकार, लेखक
4. मनोज मुन्तशिर, प्रसिद्ध कवि एवं लेखक
5. गुलाबो सपेरा, पद्मश्री-अंतरराष्ट्रीय लोक कलाकार (कार्यक्रम में अनुपस्थित)
6. मेजर मुनीष चौहान, सैन्य अधिकारी-ब्रिटिश आर्मी
7. प्रो. डॉ. तेजस पटेल, पद्मभूषण-वरिष्ठ कार्डियोलॉजिस्ट
8. चन्द्र शेखर शारदा, वरिष्ठ चार्टर्ड अकाउंटेंट
9. प्रवीण चंदन, व्यवसायी एवं समाजसेवी
10. श्रीकुमार तोशनीवाल, उद्योगपति
11. राजेन्द्र कुमार सेतिया, एमडी-एसके फाइनेंस लिमिटेड
12. रंजू एलेक्स, वाइस प्रेसिडेंट-मैरियट होटल ग्रुप
13. विष्णु अप्पाडु, इंटरप्रेन्योर-लंदन
14. राजवीर सिंह, व्यवसायी-यूके
15. हरबीर सिंह नाट, टेक इंटरप्रेन्योर-लंदन
16. संजना करनानी, सामाजिक कार्यकर्ता-लंदन
17. माधव अगस्ती, पद्मश्री-फैशन डिजाइनर
18. मयंक शाह, वरिष्ठ व्यवसायी-लंदन
19. आशीष मित्तल, डायरेक्टर इनोवेटिव
20. ललित दुआ, व्यवसायी
21. वरुण सेठ, सीईओ – ketto.org
22. अजीत नारायण, हेड-एविएशन फाइनेंस (भारत-लंदन)
23. डॉ. आई मेड दरमयासा, आध्यात्मिक आचार्य-इंडोनेशिया

**विशेष पुरस्कार International Super Talented Kids Award**

24. धीर परसरामका
25. वायु परसरामका

**(दोनों बच्चों ने 5 वर्ल्ड रिकॉर्ड स्थापित किए हैं)**

संस्कृति युवा संस्था की प्रमुख गतिविधियां

संस्कृति युवा संस्था पिछले दो दशकों से भारतीय संस्कृति, स्वास्थ्य, सेवा एवं नेतृत्व से युवाओं को जोड़ने में सक्रिय है। संस्था की प्रमुख गतिविधियाँः

अव जयपुर मैराथन-भारत की सबसे बड़ी दौड़ (16 वर्ष से आयोजन)

World Health Festival-योग, हेल्थ और वेलनेस पर आधारित अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन

31 दिसंबर दूध से नववर्ष आरंभ अभियान-30 वर्षों से नशामुक्त संदेश के साथ

551 कुंडीय नवसंवत्सर यज्ञ एवं अश्व यात्रा-पूरे शहर में भारतीय नववर्ष को समर्पित आयोजन

Scholarship योजना-5000+ विद्यार्थियों को छात्रवृत्तियां

IKEA अभियान-पर्यावरण संरक्षण, हस्तशिल्प एवं सतत जीवनशैली को प्रोत्साहन

हँसो जयपुर-हास्य कवि सम्मेलन (सामाजिक व्यंग्य और भारतीय परंपरा)

वैश्विक मंच निर्माण-भारत गौरव अवार्ड, इंडो-यूके एक्सीलेंसी अवार्ड, इंडो-यूएई उत्सव, सेवा संकल्प शिविर, युवा चेतना यात्रा

इस ऐतिहासिक आयोजन के सफल संचालन हेतु गठित समितिः

एडवोकेट एच.सी. गणेशिया संरक्षक

गोविन्द पारीक

हरिप्रसाद शर्मा, रिटायर्ड आईपीएस

दिनेश शर्मा-उपाध्यक्ष

गौरव धामाणी-प्रदेश अध्यक्ष

सुनील जैन-महामंत्री

पंकज हर्ष-यूके समन्वयक (बर्मिंघम)

आलोक शर्मा-यूके समन्वयक (ऑक्सफोर्ड)

# हर्षोल्लास और उमंग के साथ हुआ युवाचार्य महेंद्र ऋषि जी का पनवेल मे नगर प्रवेश...

## परमात्मा की भक्ति आत्मा को अद्भुत शक्ति प्रदान करती हैः युवाचार्य महेंद्र ऋषि जी महाराज

**पनवेल. शाबाश इंडिया।** हर्ष उल्हास ओर उमंग के साथ हुआ युवाचार्यश्री का पनवेल मे नगर प्रवेश। रविवार को पनवेल के वास्तु एक्झोटीका मे श्रमणसंघीय युवाचार्य महेंद्र ऋषि जी, हितमित भाषी हितेंद्र ऋषि जी, तपस्वी धवल ऋषिजी,नवदिक्षित महक ऋषिजी आदि के पधारने पर माणक चंद,मनोज, मनीष मुनोत, ओर श्री वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ के अध्यक्ष राजेश बांठिया संयोजक नितिन मुनोथ,राजेंद्र बांठिया,सहसंयोजक शैलेंद्र खेरोदिया,संतोष मुनोथ,उपाध्यक्ष मनोज बांठिया,बिपिन मुनोथ,मदनलाल चपलोत, ललित चंडालिया,मंत्री रणजीत काकरेचा, अशोक बोहरा, प्रकाश कर्णावट, कोषाध्यक्ष शीतल बांठिया,वरिष्ठ मार्गदर्शक विलास कोठारी, आनन्द सुराणा, मनोज मुनोत,डॉ. प्रमोद गांधी, जितेंद्र बालड,राकेश संचेती, रोशन सुराणा, विजयराज कुमठ,महेश गड़ा, निरज कोठारी,राजेन्द्र बोरा,राजेश कोठारी, महेंद्र सुराणा, हस्तीमल कराड, महेंद्र जैन,पारस हिंगड, सुनील गुन्देचा, जयंती परमार, विजय श्रीमाल, रिखब बनवट, जयंती गडा, रसिक सावला, ऋषभ बांठिया आदि पदाधिकारियों के अलावा सैकड़ों भाई-बहनो ने उत्साह उमंग ओर गुरूभक्ति के साथ भगवान महावीर स्वामी के जयघोष के नारे लगाते हुये युवाचार्यश्री का पनवेल मे नगर प्रवेश करवाया। इस अवसर पर युवाचार्य महेंद्र ऋषि जी महाराज ने नगर प्रवेश की धर्मसभा को संबोधित करते हुए कहा कि परमात्मा की भक्ति आत्मा को अद्भुत शक्ति प्रदान करती है और जीवन में आनंद व सकारात्मकता का संचार

करती है। जब कोई व्यक्ति एकाग्रचित होकर परमात्मा की स्तुति करता है, तो उसकी नकारात्मकता स्वतः ही समाप्त हो जाती है। भक्ति न केवल मन को शांति और स्थिरता प्रदान करती है, बल्कि यह आत्मा को पवित्र बनाकर उसे कर्मों के बंधन से भी मुक्त करती है। जबकि नकारात्मक सोच और बुरे कर्म व्यक्ति को कर्मबंधन में जकड़ते हैं।

# आचार्य वर्धमान सागर जी महाराज का अनवरत विहार जारी

## टोंक जैन समाज चातुर्मास के लिए प्रयासरत

**टोंक. शाबाश इंडिया।** परम पूज्य 108 आचार्य वर्धमान सागर जी महाराज के ससंघ संभावित दिशा जहाजपुर की ओर अनवरत विहार जारी है इस दौरान रविवार को टोंक जैन समाज के लोग बागुदार जहाजपुर सम्मलित होकर विहार करवाया। समाज के प्रवक्ता पवन कटान ने बताया की आचार्य वर्धमान सागर जी महाराज 25 जून को जैन मंदिर स्वस्तिधाम जहाजपुर में मंगल प्रवेश करेंगे। 27 जून को 36वा आचार्य पदारोहन दिवस कार्यक्रम मनाया जायेगा जिस कार्यक्रम में चातुर्मास की घोषणा करेंगे। इस दौरान टोंक जैन समाज के लोग लगातार विहार में पहुंचकर आशीर्वाद ले रहे हैं और टोंक में चातुर्मास के लिए प्रयास कर रहे है । इस मोके पर मुकेश बरवास, नीटू छामुनिया, ओम ककोड़,ज्ञान संघी, कुंदन आंडरा, पप्पु नमक, धर्म पत्तल दोना, दाखिया, विनोद सर्राफ, रोहित धोली, पारस बहड आदि समाज के लोग रहे।

### 23 जून: अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक दिवस पर विशेष

## ओलंपिक की मशाल संकल्प विशाल...!

एक लौ जल उठती ओलंपिक की मशाल,
यह सिर्फ.हैं मानवता का संकल्प विशाल।
जो सीमाओं के पार भी दिलों को जोड़ता,
एक स्वर में खेल मैदान के ओर हैं दौड़ता।
मात्र जीत नहीं बल्कि जीवन की उड़ान है,
हर एक देश की यहां अलग से पहचान हैं।

एक लौ जल उठती ओलंपिक की मशाल,
यह सिर्फ.हैं मानवता का संकल्प विशाल।
ये दिवस ज्योत को हर दिल तक पहुँचाता,
केवल खेल उत्सव नहीं समानता हैं लाता।
साहस,समरसता और सपनों का महाकुंभ,
यहां नहीं चलता किसी प्रकार का भी दंभ।

एक लौ जल उठती ओलंपिक की मशाल,
यह सिर्फ.हैं मानवता का संकल्प विशाल।
रेस में दौड़ता हर खिलाडी चाहे हारे-जीते,
अपने भीतर असीम संभावनाओं को लेते।
खेल प्रतिस्पर्धा समावेशिता प्रतीक बनता,
200 से ज्यादा देशों को एक मंच पे लाता।

**संजय एम तराणेकर**
**(कवि, लेखक व समीक्षक)**
**इन्दौर-452011 (मध्य प्रदेश)**
**मो. 98260 25986**

## युद्ध विकास नही विनाश का परिचायक, अहिंसा शांति ही समृद्धि की उन्नायक

**संजय जैन बड़जात्या. शाबाश इंडिया**

मानवीय सभ्यता में शांति व अहिंसा ही विकास का द्वार खोलती हैं किसी भी सूरत में युद्ध नही,अपितु युद्ध तो मानवता के विपरीत विनाश का परिचायक है। आज युद्ध की आहट संपूर्ण विश्व को सहमा रही है पहले यूक्रेन जला तो रुस भी बहुत पीछे चला गया। उसके बाद जब गाजा पट्टी में हमास और इजरायल उलझे तो मानवता और विकास दोनों का बहुत बड़ा ह्रास हुआ। भारत पाकिस्तान की बड़ी समस्या विकराल रूप ले रही थी तो कुछ समय मे ही नियंत्रित कर लिया गया। किंतु वर्तमान में ईरान और इजरायल आपस मे युद्ध के मुहाने पर ही नही अपितु युद्ध मे उतर चुके हैं। अमेरिका ने इस भयावहता को और हवा दे दी है। एक तरफ शांति के नोबल पुरुष्कार पर दावा करने वाले सशक्त नेता ही युद्ध पर आमादा नजर आ रहे हैं। ऐसा प्रतीत हो रहा है कि जैसे ऊपर वाले ने इस इंसान को बना कर बहुत बड़ी भूल की हो। आदिकाल से मानव लड़ता झगड़ता चला आ रहा है। पहले यह पत्थरों से लड़ता था, फिर धीरे-धीरे हथियारों के रूप में तलवार, भाले आदि का विकास होने लगा, हथियारों के विकास ने जब उन्नति की गति पकड़ी तो बंदूक,तोप-गोले आदि का तीव्रता से विकास होता चला गया। अब तो उससे भी कुछ आगे बढ़कर मिसाइल के साथ युद्ध हो रहा है। जो की संपूर्ण मानवता के लिए बहुत ही घातक है। विकास के चरम पर पहुंचने के बाद युद्ध लड़ने की शैली में भी परिवर्तन हुआ है। मिसाइल के साथ-साथ जैविक युद्ध और उससे भी कई गुणा मानवीय सभ्यता का ह्रास करने वाले परमाणु युद्ध की संभावनाएं अति प्रबलता के साथ आगे बढ़ रही हैं। किसी भी धर्म ग्रंथ में यह नहीं कहा गया की आप हिंसा का मार्ग अपनाओ, युद्ध की ओर अग्रसर हो,एक दूसरे का संहार करो,जैन धर्म के अंतिम व चौबीसवें तीर्थंकर ने तो सम्पूर्ण विश्व को जीओ और जीने दो का अमूल्य उपहार प्रदान किया है। अहिंसा परमोधर्म की विरासत हम सबको प्राप्त हुई है। हिन्दू,बौद्ध,ईसाई धर्म भी अहिंसा के प्रबल समर्थक हैं, तो फिर मानव में इन गुणों का विकास क्यों हुआ? क्यों मानव एक दूसरे के खून का प्यासा नजर आता है? क्यों एक दूसरे पर राज करने की परिणति का विकास हो रहा है? आर्थिक भूख,स्वार्थ,अस्तित्व सिद्धि में क्यो मानवीय सवेंदनाओ का ह्रास हो रहा है? वर्तमान में वैश्विक विकरालता के मूल में एक छोटा सा कारण आबादी का एक बड़े हिस्से का नास्तिक हो जाना भी हो सकता है। खैर प्रश्न विचारणीय है किंतु जवाब शायद शून्य है। इस शून्यता में भी यदि थोड़ा सा भी मंथन करें तो यह बात जरूर जहन में आएगी क्या युद्ध से कभी किसी का भला हुआ है? क्या युद्ध से विकास संभव हुआ है? क्या युद्ध के दौरान किसी भी देश ने उन्नति की है? युद्ध हमेशा विनाश करता है और भविष्य के लिए दुखों का महासागर छोड़ जाता है।

## वेद ज्ञान

# जब नाचते गाते मिला ईश्वर का साथ

सूफी शब्द की उत्पत्ति के कई संभावित स्रोत हैं। कुछ का कहना है कि इस शब्द का जन्म सूफ शब्द से हुआ है जिसका अर्थ होता है 'ऊन' जो पहले के इस्लामिक सूफियों या जमाल सूफ का साधारण सा वस्त्र हुआ करता था। शब्द का अर्थ सूफा या बेंच से भी लिया जा सकता है क्योंकि पहले 45 चिकित्सकों द्वारा मदीना में पैगंबर के द्वार पर बेंच का इस्तेमाल बैठने में किया जाता था। वे उन बेंच पर बैठकर लगातार प्रार्थना और उपवास किया करते थे। वे अशब-ए-सूफा या बेंच के लोग कहलाए। उस मस्जिद में पैगंबर मोहम्मद के कक्ष में आज भी उन बेंचों को देखा जा सकता है। वो अल-फूकारा के नाम से भी जाने गए जो फकीर या निर्धन का बहुवचन है। पवित्र ज्ञान की खोज में, एक सूफी आकांक्षी अपनी आंतरिक जागृति को एक आध्यात्मिक गुरु को सौंप देता है जिन्हें शेख या पीर कहा जाता है। इस्लाम के कथित कठोर धार्मिक कानूनों के विपरीत कविता, नृत्य, कला, सुलेख और सार्वभौमिक प्रेम को सूफीवाद का दिल कहा गया है। सूफी परंपरा को आमतौर पर स्थानीय संस्कृतियों से अपनाया गया है ताकि लोग अपनी श्रद्धा अपनी भाषा और अपने तरीकों से अभिव्यक्त कर सकें। शायद इसलिए तुर्की जैसे देशों में व्हर्लिंग आम है और भारत में कव्वाली मुख्य रूप से आती है। इस तरह के समारोह में श्रद्धालु दिज्न्स और विचरण करती आत्मा के लिए बीच में रास्ता छोड़कर कव्वाल के दोनों ओर बैठते हैं। ऐसा माना गया है कि इस तरह के जनसमूह में आत्माओं के पोषण के लिये शर्राब-एमारीफह अर्थात आध्यात्मविद्या की शराब और शराबे शराबे-मोहब्बह अर्थात 'प्यार की शराब' को भारी मात्रा में उड़ेला जाता है। कव्वाली गायन के दौरान अगर कोई परम आनंद की अवस्था में चला जाता है तो बाकी कव्वाल उसी लाइन को तब तक दोहराते रहते हैं जब तक वह उस अवस्था से वापस सामान्य अवस्था में नहीं आ जाता। सूफीवाद में, भगवान के लिए दिव्य प्रेम और आनंदमय आत्मज्ञान का वर्णन कुछ और लोकप्रिय उपमाओं में भी किया गया है।

## संपादकीय

# अस्पतालों में बच्चों की चीखें

युद्ध के उन्माद में संवेदना खत्म हो रही है। इजराइल व ईरान एक-दूसरे के ठिकानों पर हमला करने में अमानवीयता की सारी हदें लांघ रहे हैं। ईरान ने समूची नैतिकता को ताक पर रखते हुए इजराइल के मुख्य अस्पताल को निशाना बनाया है। ज्यादा दिन नहीं हुए जब इजराइल ने युद्ध के सभी नियमों को ताक पर रख कर दक्षिणी गाजा के सबसे बड़े अस्पताल पर हमला कर कई लोगों को जख्मी कर दिया था। युद्ध की आग में गाजा को लगातार

झुलसाने वाले इस देश को गुरुवार तड़के ठीक उन्हीं परिस्थितियों का सामना करना पड़ा। कोई दो राय नहीं कि युद्ध हमेशा विनाश की ओर ले जाता है। दो देशों के बीच प्रतिशोध की आग बेकसूर नागरिकों को ही झुलसाती है। दुनिया ने यह दृश्य कई बार देखा है। सैन्य हमले के दौरान इजराइल ने कभी नहीं देखा कि वह शरणार्थी शिविरों पर बम गिरा रहा है या अस्पतालों पर। नागरिक ठिकानों पर कितनी मौतें होंगी और बच्चों-महिलाओं तथा बुजुर्गों पर क्या गुजरेगी। उसे कभी मानवीय संवेदना की परवाह नहीं रही। दूसरी ओर इजराइल के भीषण हमले के जवाब में ईरान की सैन्य कार्रवाई से साबित हो गया कि वह भी उतना ही असंवेदनशील है। दक्षिणी इजराइल के मुख्य अस्पताल को निशाना बना कर उसने स्पष्ट कर दिया कि वह भी युद्ध नियमों को नहीं मानता। कुछ मिसाइलें इमारतों पर गिरीं, जिससे कई नागरिक घायल हो गए। ईरान के परमाणु कार्यक्रमों को अपने अस्तित्व के लिए खतरा

बताकर इजराइल ने जिस तरह से उसके साथ युद्ध छेड़ा है, इसके नतीजे बेहद गंभीर हो सकते हैं। दुनिया के बड़े हिस्से में इसका असर दिख सकता है। ईरान की इस चेतावनी को गंभीरता से लेने की जरूरत है कि अगर अमेरिका युद्ध में कूदा तो भीषण तबाही होगी। तेहरान खाली करने की अमेरिकी राष्ट्रपति की धमकी और ईरानी नेतृत्व के बयान से लगता है कि इजराइल के साथ उसका सैन्य टकराव तीक्ष्ण रूप से बढ़ेगा। स्वाभाविक है कि इस युद्ध के जख्म गहरे होंगे। इसकी कीमत वे नागरिक ही चुकाएंगे जिनका युद्ध से कोई संबंध नहीं। न जाने कितने बच्चे अनाथ होंगे।

**-राकेश जैन गोदिका**

## परिदृश्य

# इंसाफ बनाम दमन

उत्तर प्रदेश में गिरोहबंद कानून के दुरुपयोग के खिलाफ आवाज उठने लगी है। ऐसे आरोप लगते रहे हैं कि इस कानून का इस्तेमाल राजनीतिक विरोधियों का दमन करने, किसी का उत्पीड़न करने या बदनाम करने के लिए भी किया जाता है। इस संबंध में लोग अदालतों के दरवाजे खटखटाने लगे हैं। बिना किसी उचित प्रक्रिया और पर्याप्त सबूत के, लोगों को जिस तरह गिरफ्तार किया जाता रहा है, उस पर अदालतों ने कई बार चिंता जताई है। दरअसल, इस कानून के तहत मिले अधिकारों का इस्तेमाल कई

बार पुलिस विवेकपूर्ण तरीके से नहीं करती है। हालांकि, इस तरह के आचरण पर अंकुश के लिए दिशा-निर्देश लागू किए जा चुके हैं। मगर चिंता की बात है कि यह मनमानी थमी नहीं। लिहाजा, शीर्ष न्यायालय को एक बार फिर याद दिलाना पड़ा कि इस कानून को विवेकपूर्ण तरीके से लागू किया जाना चाहिए। अदालत ने उत्तर प्रदेश में इस संबंध में दर्ज एक प्राथमिकी को खारिज करते हुए ''यूपी गैंगस्टर्स एक्ट'' जैसे कठोर कानून के नियमित इस्तेमाल को लेकर चेताया है। साथ ही यह भी कहा कि व्यक्तिगत स्वतंत्रता की गारंटी तब और महत्त्वपूर्ण हो जाती है, जब इस तरह के कड़े प्रावधान वाले असाधारण कानून को अमल में लाया जाता है। यह चिंता की बात है कि राज्य को दी गई इस शक्ति का इस्तेमाल संगठित गिरोहों के अलावा साधारण अपराध से जुड़े मामलों या राजनीतिक प्रतिद्वंद्वियों को परेशान करने के लिए भी होने लगा है। इसीलिए शीर्ष न्यायालय ने फिर स्पष्ट कर दिया है कि इस कानून को धमकी के साधन के रूप में उपयोग नहीं किया जा सकता, खासकर उस समय जब राजनीतिक मंशा काम कर रही हो। उत्तर प्रदेश में कुछ वर्ष पहले इलाहाबाद उच्च न्यायालय की सख्ती के बाद इस कानून के दुरुपयोग के लिए राज्य की ओर से नए दिशा-निर्देश जारी किए गए थे। सवाल है कि अगर किसी के खिलाफ संगठित अपराध से जुड़े होने का सबूत नहीं है, तो उसे गिरोहबाज कैसे कहा जा सकता है? ऐसे में उसके खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करना क्या अन्याय नहीं? शीर्ष अदालत की चेतावनी को गंभीरता से लिया जाना चाहिए।

# वेडिंग फोटोग्राफी : भारत का नया सिनेमा

भारत में शादी अब सिर्फ.सात फेरे नहीं, बल्कि एक मेगा-बजट फिल्म है, जिसमें फोटोग्राफर डायरेक्टर और दूल्हा-दुल्हन स्टार हैं। पहले शादी में मेहमान खाना खाते थे, अब फोटोग्राफर की 'पोज दो, मुस्कुराओ!' की पुकार सुनाई देती है। प्री-वेडिंग शूट तो जैसे अनिवार्य तीर्थयात्रा—पहाड़ों, समुद्र, या रेगिस्तान में, जहाँ दुल्हन साड़ी में ठिठुरती है और दूल्हा 'कूल' बनने की कोशिश में पसीना बहाता है। फोटोग्राफर भैया भी कमाल के। ''दुल्हन, थोड़ा साइड से देखो, आँखों में प्यार लाओ!''—जैसे असल में दुल्हन ऑस्कर की तैयारी कर रही हो। ड्रोन कैमरे आसमान में मँडराते हैं, जैसे जासूसी फिल्म चल रही हो। और वो कैंडिड शॉट्स? मेहमान खाना खा रहा है, बच्चा रो रहा है, चाचा जी खर्राटे ले रहे हैं—सब 'मोमेंट' बन जाता है। एल्बम की कीमत तो ऐसी कि लगे, शादी का खर्चा कम और फोटोग्राफी का ज्यादा। फिर भी, हर रिश्तेदार एल्बम देखकर यही कहता है, 'अरे, मेरी फोटो कहाँ है?' सोशल मीडिया पर 500 फोटो अपलोड, #ShaadiGoals के साथ। शादी खत्म, लेकिन फोटो की रील्स सालों चलती हैं। तो चलिए, पोज बनाएँ, क्योंकि बिना फोटो के शादी अधूरी है!

**मुकेश कुमार बिस्सा, जैसलमेर**

# सुबोध कॉलेज में मनाया गया अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस

**जयपुर. शाबाश इंडिया**

एस एस जैन सुबोध पी जी महाविद्यालय में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस योग संगम कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय के समस्त संकाय सदस्य एवं विद्यार्थियों ने मिलकर सामूहिक योगाभ्यास किया और योग दिवस को उत्साहपूर्वक मनाया। महाविद्यालय प्राचार्या प्रो रेनू जोशी ने सभी को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि योग हमारे जीवन का अभिन्न अंग है। यह न केवल हमें शारीरिक रूप से स्वस्थ रखता है, बल्कि मानसिक रूप से भी सशक्त बनाता है। उन्होंने सभी को स्वस्थ जीवन के लिए योग को अपनी दिनचर्या में शामिल करने और नियमित अभ्यास करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा योगा को अपनी दैनिक जीवनशैली का हिस्सा बनाए क्योंकि आज की तनावपूर्ण जीवनशैली में योग एक संजीवनी की तरह है। यह व्यक्ति को न केवल स्वास्थ्य की दिशा में सशक्त करता है, बल्कि नैतिकता, धैर्य और मानसिक स्थिरता प्रदान करता है। युवा पीढ़ी को योग से जुड़कर अपने जीवन को सार्थक बनाना चाहिए। योगा प्रशिक्षक कृष्णा द्वारा ताड़ासन, वृक्षासन, भुजंगासन, त्रिकोणासन, - पवनमुक्तासन, वज्रासन, सर्वांगासन, कपालभाति और अनुलोम-विलोम जैसे प्रमुख योगासनों का अभ्यास करवाया गया।

# श्रद्धांलुओं ने दिगम्बर मुनियो कि उपस्थिति में श्री कल्याण मंदिर स्त्रोत विधान अनुष्ठान किया

**मनोज सोनी. शाबाश इंडिया**

निम्बाहेड़ा। नगर में बिराजित दिगंबर मुनि श्री अनुपम सागर जी एवं निर्मोह सागर जी के सानिध्य में श्री कल्याण मंदिर विधान पूजा का आयोजन हूआ। समाज के प्रवक्ता मनोज सोनी के अनुसार रविवार दोपहर को सकल दिगम्बर जैन समाज के तत्वावधान में अध्यक्ष अशोक गदिया एवं महामंत्री वी के जैन की अगुवाई में दव्य मुनि श्री अनुपम सागर ओर श्री निर्मोह मुनिराज ने श्री शान्तिनाथ जिनालय में श्री कल्याण मंदिर स्त्रोत्र विधान पूजा विधि विधान से सम्पन्न कराई। इस अवसर पर मुनि श्री अनुपम सागर जी ने अपने प्रवचन में श्रावको को अपने जीवन में धन कमाने के साथ साथ धर्म कमाने के गुर बताते हुए कहा कि जीवन काल में कमाया धर्म ही धरा से ले जा सकते हैं। पुरुषार्थ से कमाए धन को धर्म में खर्च करने से पुण्य कमाया जा सकता हैं। मुनि श्री निर्मोह सागर जी ने कहाँ कि श्रावक ज्यादा से ज्यादा संख्या में अपने नोनिहालो को धर्म से जोडे, उन्हें मंदिर ओर साधु संतो के बीच लाकर संस्कारित करने पर बल देते हुए कहा कि बचपन में दिए अपने बच्चों के संस्कार ही धर्म को आगे बढ़ाने में सहायक सिद्ध होंगे। अपने नोनिहालो को मंदिर में पूजा पाठ, प्रक्षाल अभिषेक, शास्त्र स्वाध्याय आदि की प्रेरणा देने के लिए उनकी साधु संतो के प्रति समर्पण के भाव कि महती आवश्यकता हैं। रविवार को आयोजित धार्मिक कार्यक्रम में मुनि श्री ने बारी बारी से श्री कल्याण मंदिर श्लोक कि विवेचना कर जिन प्रतिमाओ के समक्ष धर्मवलम्बीयो से अर्घ्य विसर्जित करवाए। कार्यक्रम में भगवान कि प्रतिमा के कलशभिषेक शांतिधारा कि प्रक्रिया भी बड़ी संख्या में उपस्थित श्रद्धांलुओं ने धार्मिकता पूर्वक सम्पन्न कराई।

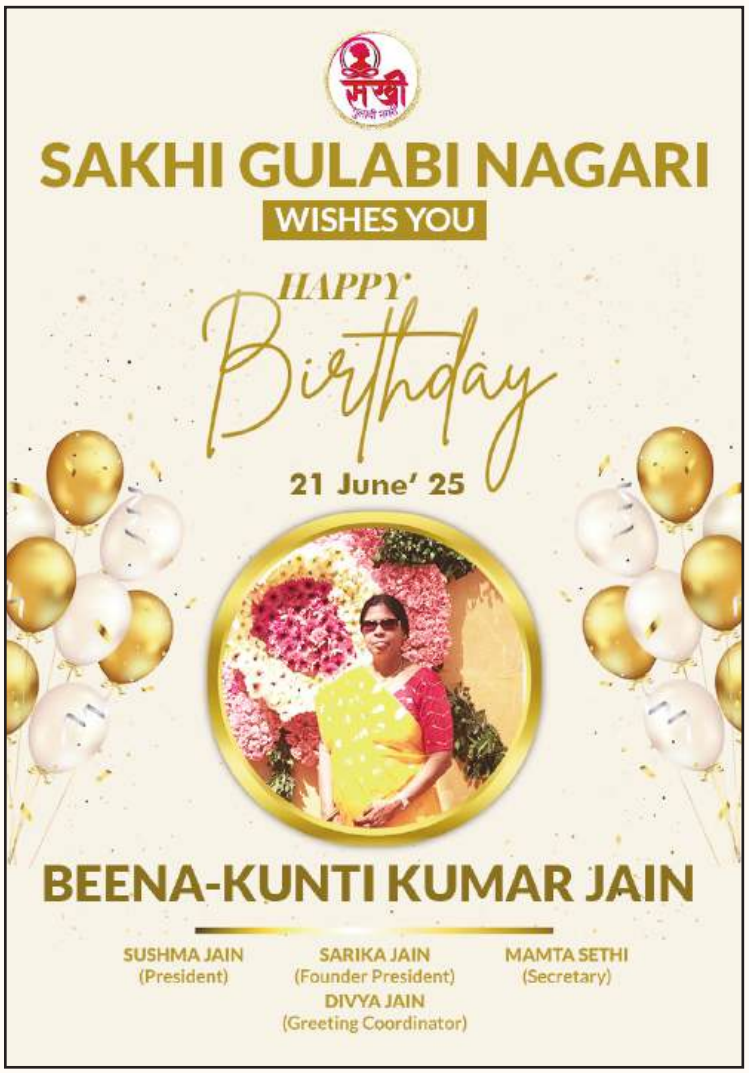

# जैन मिलन अरिहंत द्वारा तीन दिवसीय योग शिविर का आयोजन

**सोनल जैन. शाबाश इंडिया**

**भिंड।** जैन मिलन अरिहंत भिंड द्वारा तीन दिवसीय योग शिविर का समापन आज परेड मंदिर पुस्तक बाजार में किया गया जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में वर्धमान प्राकृतिक चिकित्सा संस्थान के डायरेक्टर डॉ. सुरेश जैन प्रमुख रूप से उपस्थित रहे। कार्यक्रम संयोजक एव जैन मिलन अरिहंत के अध्यक्ष अजित जैन सोनू द्वारा बताया गया की हमारे भारत देश में योग अनादि कल से ऋषि मुनियों की दिनचर्या का अभिन्न अंग रहा है ।योग को वैश्विक मंच पर पहचान दिलाने के लिए हमारे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने संयुक्त राष्ट्र संघ से तारीख 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस घोषित करवाया है। उनके प्रयास से योग को वैश्विक मान्यता मिली। अब पूरी दुनिया 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मनाती है। जैन धर्म में भी योग का गहन आध्यात्मिक महत्व बताया गया है जिसमें मानसिक शांति, एकाग्रता, ध्यान की दृढ़ता और संयममयजीवन हेतु योग को एक सशक्तमांध्यम बताया गया है। योग शरीर के साथ मन और सोच को भी स्वस्थ बनाता है। योग शिविर में हमने योग के महत्व, योग के विभिन्न आसनों और उनसे क्या-क्या लाभ है इसके बारे में हमने जाना। योग प्रशिक्षक पतंजलि विद्यापीठ हरिद्वार से श्रीमती ममता श्रीवास्तव ने योग केविभिन्न आसनों जैसे सूर्य नमस्कार, अनुलोम विलोम, कपाल भारती, सूक्ष्म प्राणायाम, सिंह आसन आदि के बारे में विस्तार पूर्वक जानकारी दी। वर्धमान प्राकृतिक चिकित्सा संस्थान के निदेशक डॉ. सुरेश जैन ने योग के लाभ और हानि के बारे में बताया साथ ही यह भी बताया कि जो आसनहम सहज रूप से कर सकें वही करना चाहिए नियमित अभ्यास से ही सभी आसनों को करने में सहजता रहती है,अनावशयक दबाव या जबरदस्ती नहीं करना चाहिए, साथ हीयह भी बताया किसुबह उठकर हमें फ्रेश होकर खाली पेट ही योग करना चाहिए ।योग शिविर में क्षेत्रीय पदाधिकारियो में क्षेत्रीय संगठन मंत्री श्रीमती आभा जैन, क्षेत्रीय उपाध्यक्ष अतिवीर सुनील जैन मेडिकल, क्षेत्रीय संयोजिका श्रीमती राखी जैन, क्षेत्रीय धार्मिक कार्य समिति चेयरमैन श्रीमती स्नेहलता जैन, क्षेत्रीय सद्भावना समिति सहचेयरमैन श्रीमती सरला जैन, तीर्थ बचाओ अभियान समिति सदस्य श्रीमती मीरा जैन, क्षेत्रीय शाखा विस्तार समिति सदस्य श्रीमती स्नेहलता जैन तथा जैन मिलन अरिहंत से सचिव विकास जैन, कोषाध्यक्ष अमन जैन, रोहित जैन, रजत जैन, मनोज जैन,राघव जैन, मंदिर समिति के सचिव महेशपहाड़िया, वार्ड 5 के पार्षद हेमू राहुल जैन, सुरेश जैन, महिलाएं, बालिकाएं तथा अन्य लोग उपस्थित रहे।

# योग दिवस पर आचार्य श्री प्रसन्न सागरजी महाराज का सारगर्भित उद्बोधन

## योग आत्मा के परमात्मा से मिलन का साधन

**नई दिल्ली. शाबाश इंडिया**

योग आध्यात्मिक, शारीरिक और मानसिक प्रयोगों का वह समुच्चय है, जिसका गौरव भारत को प्राप्त है। यह न केवल व्यायाम या सांस लेने की तकनीक है, बल्कि यह आत्म-तत्व से मिलन की सुबोधि विधा है। योग व्यक्ति की आत्मा, मन और शरीर को जोड़ कर पूर्ण सामंजस्य की भावना देता है। योग का लक्ष्य केवल स्वास्थ्य सुधार नहीं, बल्कि जन्म और मृत्यु के चक्र से मुक्ति दिलाने की दिव्य अनुभूति है। यह व्यक्ति को पूर्ण रूप में शुद्ध कर समरसता का संचार करता है। जैन धर्म के अनुसार योग एक आत्म-साधना पद्धति है, जो शरीर के माध्यम से आत्मा को मोक्ष तक ले जाती है। जैन साधक अपने शरीर और मन को संयमित करके तप व ध्यान से निजात्मा को पहचानते हैं। मूर्तियों की ध्यानात्मक मुद्रा, एकाग्र दृष्टि और शिथिल शरीर इस साधना के प्रतीक हैं। भगवान ऋषभदेव से लेकर महावीर स्वामी तक सभी तीर्थंकरों ने योग-साधना द्वारा आत्मा को शुद्ध कर मोक्ष प्राप्त किया। भगवान महावीर ने छह माह तक अपने दाएं अंगूठे पर छह माह तक स्थिर खड़े रहकर खड्गासन में ध्यान किया। यह योग का उच्चतम उदाहरण है। जैन दर्शन योग को तप, साधना और संयम के साथ जोड़ता है। आचार्य उमास्वामी ने योग को मन, वचन और काय की क्रिया का संयम बताया। आचार्य शुभचंद्र ने वीरासन, सुखासन, कमलासन, उत्तानासन आदि आसनों के माध्यम से ध्यान और प्राणायाम का महत्व बताया। तीर्थंकरों की एवं जिन शासन यक्ष यक्षिणी की प्रतिमाएं जैसे खड्गासन, अर्द्धपद्मासन और पर्यंकासन जैन योग परंपरा की अमूल्य निधियाँ हैं। ये आसन आत्मा को स्थिरता व एकाग्रता की ओर प्रेरित करते हैं, जैसे...

1) पर्यंकासन - जिसे पद्मासन मुद्रा भी कहा गया है। इस मुद्रा में पैरों को इस प्रकार मोड़कर बैठा जाता है कि दाहिना पैर बाईं जंघा

पर और बायां पैर दाहिनी जंघा पर रहता है,, नेत्र नासाग्र पर स्थिर रहते हैं।

2) अर्द्ध पर्यंकासन - इसमें एक पैर नीचे लटकता रहता है तथा दूसरा पैर पहले पैर की जंघा पर रखा जाता है। इसे ललितासन भी कहते हैं। जिन प्रतिमाओं में यह आसन नहीं दिखाया जाता किन्तु उनके यक्ष यक्षिणी इस मुद्रा में बनाए जाते हैं।

3) खड्गासन - यह ध्यान की खड़ी मुद्रा है,, इसमें पैरों के मध्य सामने की ओर लगभग तीन अंगुल की जगह रहती है,, भुजाएं दोनों ओर घुटनों के नीचे तक स्पर्श करती रहती है या कभी स्पर्श नहीं करती, झूलती रहती है। तीर्थंकरों की खड़ी प्रतिमाएं इसी आसन में दर्शाई गई है।

योग को विश्व मंच पर प्रतिष्ठित करने में स्वामी रामदेव और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी का योगदान अतुलनीय है। स्वामी रामदेव की सफलता इस तथ्य से परिलक्षित होती है कि भारत का योग 170 से अधिक देशों में लोकप्रिय हो गया है। भारत के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने योग को भारत की प्राचीन परम्परा का एक अमूल्य उपहार बताते हुए संयुक्त राष्ट्र में प्रस्ताव रखकर 21 जून को 'अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस' के रूप में मनाने की घोषणा कर योग को भारत की संस्कृति और आध्यात्मिकता से जोड़ दिया। अंत में आचार्यश्री ने कहा कि योग वह क्रिया है, जिससे आत्मा परमात्मा से एकत्व प्राप्त करती है। योग जीवन को अनुशासन और संयम देता है, जिससे मन, वचन और काया की पवित्रता के साथ व्यक्ति दिव्यता की ओर बढ़ता है... !!!

**-नरेंद्र अजमेरा पियुष कासलीवाल औरंगाबाद रवि सेठी डिमापुर आसाम**

# सेवा, संस्कार और संवेदना की अनूठी मिसाल–जैन मिलन चन्दना

**सोनल जैन. शाबाश इंडिया**

**भिण्ड।** जैन मिलन महिला चंदना शाखा, भिण्ड की सक्रिय और संवेदनशील सदस्याएँ जिला चिकित्सालय के पोषण पुनर्वास केन्द्र में डिम्पी राहुल जैन की सुपुत्री अर्निका के जन्मदिन के उपलक्ष्य में एक सराहनीय सेवा कार्य किया गया। इस अवसर पर कपोषित बच्चों के लिए दूध-दलिया के पोषण पैकेट वितरित किए गए, बच्चों को ताजे फल प्रदान किए गए, और उनके चेहरे पर मुस्कान लाने के लिए खिलौनों का उपहार भी दिया गया। बच्चों की चमकती आँखों में जो उम्मीद की किरण दिखी, वह इस सेवा कार्य की सबसे बड़ी सफलता थी। इस सेवा कार्य में विशेष रूप से उपस्थित रहीं अलका जैन, शाखा संस्थापिका नीतू जैन पहाड़िया, क्षेत्रीय संयोजक राखी जैन, शाखा अध्यक्ष सुनीता जैन, साथ ही उर्मिला जैन, अंजू जैन और मानवता सेवाभावी बबलू सिन्धी की गरिमामयी उपस्थिति रही। जैन मिलन महिला चंदना शाखा इस पुण्य प्रयास के लिए हार्दिक साधुवाद प्रेषित करती है और बालिका अर्निका को उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं देती है।

# लीनेस क्लब स्वरा ने अनाथालय के बच्चों संग मनाया अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस

**जयपुर. शाबाश इंडिया**

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर लीनेस क्लब स्वरा द्वारा 21 जून को एक विशेष योग सत्र का आयोजन राजकीय प्राथमिक विद्यालय, झालाना, मालवीय नगर, जयपुर में किया गया। यह जानकारी देते हुए क्लब अध्यक्षा निशा जैन और संयोजक रूचि शर्मा ने बताया कि कार्यक्रम अनाथालय में निवास कर रहे बच्चों के साथ आयोजित किया गया, जिसमें योग के माध्यम से उन्हें स्वस्थ जीवन शैली अपनाने के लिए प्रेरित किया गया। कार्यक्रम का संचालन प्रातः 8:00 से 9:00 बजे तक किया गया। बच्चों को सरल योगासनों, प्राणायाम और ध्यान के अभ्यास करवाए गए। प्रशिक्षकों ने योग को दैनिक जीवन में अपनाने के लाभों को सहज भाषा में समझाया। इस आयोजन का उद्देश्य केवल योगाभ्यास कराना ही नहीं था, बल्कि बच्चों के मनोबल को बढ़ाना और उन्हें आत्मिक व मानसिक शांति की ओर अग्रसर करना भी था। क्लब की सदस्याओं ने बच्चों के साथ समय बिताकर उन्हें आत्मीयता और अपनत्व का अनुभव कराया। आयोजन की सभी उपस्थित सदस्यों, स्वयंसेवकों और विद्यालय प्रशासन ने सराहना की।

## आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

**सम्पादकः राकेश जैन गोदिका**
**@ 94140 78380, 92140 78380**

**दैनिक ई-पेपर**
**शाबाश इंडिया**
shabaasindia@gmail.com | weeklyshabaas@gmail.com

# णमोकार तीर्थ के भव्य पंचकल्याणक महोत्सव के लिए उपराष्ट्रपती जी ने दी सहमती

**नई दिल्ली. शाबाश इंडिया।** आज दिल्ली में प्रफुल्लजी पटेल के नेतृत्व में णमोकार तीर्थ के पदाधिकारियों ने उपराष्ट्रपती जगदिश धनखड जी से मुलाकात कर उन्हें निमंत्रण दिया। जिसे उन्होंने सहर्ष स्वागत कर पंचकल्याणक के दौरान उपस्थित रहने हेतु सहमती प्रदान की। इस टीम में सांसद प्रफुल्ल पटेल एवं महोत्सव समिती के अध्यक्ष संतोष जैन पेंढारी के नेतृत्व में संतोष काला, विजय लोहाडे, भूषण कासलीवाल, सुमेर काला, पवन पाटणी शामिल थे। गौरतलब है कि, प.पू. आचार्य श्री देवनन्दीजी गुरुदेव के कल्पना से साकार हो रहे णमोकार तीर्थ पर प. पू. गणधराचार्य श्री कुंथुसागरजी गुरुदेव के प्रमुख उपस्थिती एवं युगल मुनिश्री अमोघकितीर्जी एवं अमरकितीर्जी गुरुदेव के मार्गदर्शन में 6 से 13 फरवरी 2026 को भव्य अंतर्राष्ट्रीय पंचकल्याणक महोत्सव होने जा रहा है। जिसमें 400 से ज्यादा जैन साधू उपस्थित रहने वाले है। ट्रस्ट अध्यक्ष निलम अजमेरा ने कहां कि उपराष्ट्रपति धनखड के सहमति मिलने से उत्साह का माहौल है। इसी महोत्सव में आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत भी 10 फरवरी को उपस्थित रहने वाले है।

-नरेंद्र अजमेरा पियुष कासलीवाल औरंगाबाद

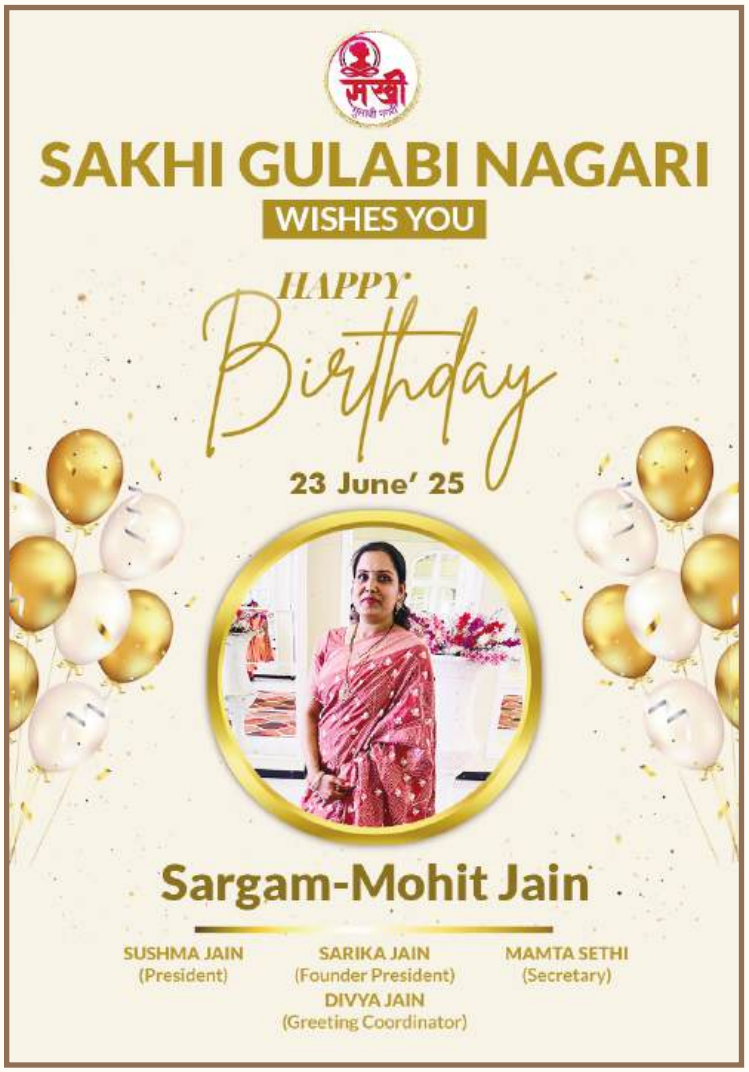

# पिता का पस्त मन और पुत्रों की पश्चिमी व्यस्तता

**लखनऊ के एक रिटायर्ड कर्नल ने अपने बेटों को एक मार्मिक पत्र लिखकर आत्महत्या कर ली। दोनों बेटे अमेरिका में बसे थे और मां की मृत्यु पर भी पूरी संवेदनशीलता नहीं दिखा सके। पिता ने पत्र में लिखा कि उन्होंने देश को सम्मान दिया लेकिन समाज को असंवेदनशील पुत्र दे दिए। यह घटना केवल एक आत्महत्या नहीं, बल्कि भारतीय पारिवारिक मूल्यों के पतन का आईना है। आधुनिकता के दौड़ में रिश्तों की संवेदना और बुजुर्गों का सम्मान कहीं पीछे छूटता जा रहा है।**

## एक पिता की विदाई, और समाज की परीक्षा

**प्रियंका सौरभ**

एक फौजी पिता की वर्दी सलामी के लिए नहीं, बल्कि सम्मान और समर्पण के प्रतीक होती है। लेकिन जब वही पिता अपनी अंतिम सांस लेने से पहले अपनी ज़िंदगी के सबसे कड़वे शब्दों में पत्र लिखकर खुद को गोली मार ले, तो यह केवल आत्महत्या नहीं होती – यह एक सामाजिक मृत्यु होती है। लखनऊ की एक पॉश कॉलोनी में रहने वाले रिटायर्ड कर्नल ने ऐसा ही किया। दो बेटे, एक अमेरिका में कॉरपोरेट नौकरी में व्यस्त, दूसरा अपने परिवार के साथ जीवन में लीन। पिता और मां ने पूरी ज़िंदगी इन बेटों की परवरिश में बिता दी थी। ऊँची शिक्षा, बेहतर जीवन, विदेशी स्थायित्व, दुनिया की सुविधाएं – सब दिया, लेकिन आखिर में अकेलेपन का उत्तरदायित्व भी उन्हीं मां-बाप के हिस्से आया। कहते हैं, हर पिता चाहता है कि बेटा उससे बड़ा बने, लेकिन शायद ही कोई पिता चाहता है कि बेटा उसे भूल जाए। जिस बेटे को कभी बुखार आने पर पिता रातभर सिरहाने बैठा रहा हो, वही बेटा मां की मौत पर कह दे कि पापा की मौत में आ जाऊंगा – तो वहां केवल संबंध नहीं टूटते, आत्मा टूट जाती है। उस पिता ने पत्र में कोई गाली नहीं दी, कोई ताना नहीं दिया, कोई आक्रोश नहीं दिखाया। उन्होंने बस यह कहा कि शायद मेरी परवरिश में कोई कमी रह गई, क्योंकि मैंने समाज को सभ्य नागरिक नहीं, असंवेदनशील संतति दी। यह वाक्य जितना सीधा है, उतना ही खौफनाक है। यह एक पिता का नहीं, एक पीढ़ी का दुःख है। यह कहानी किसी एक कर्नल की नहीं है। यह हर उस मां-बाप की है, जो अपने बच्चों को उड़ान देना चाहते हैं, लेकिन बुढ़ापे में लौटती हुई परछाइयां भी नहीं देख पाते। यह उस भारतीय समाज की है, जो अमेरिका जाने वाले बेटे पर गर्व करता है, लेकिन वहीं मां-बाप को वृद्धाश्रम में छोड़ने पर खामोश हो जाता है। यह उस संवेदनहीनता का बयान है, जो आधुनिकता के मुखौटे के पीछे रिश्तों को घोंट रही है। पिता की चिट्ठी ने लिखा कि अब उसकी लाश के पास भी कोई इंतजार नहीं करेगा, इसलिए वह खुद ही चला जाता है – ताकि कोई मजबूरी न हो,

कोई बहाना न बने, कोई बेटा यूं न कह सके कि फ्लाइट नहीं मिली। यह वाक्य किसी खबर का हिस्सा नहीं, एक सांस्कृतिक हार का एलान है। वह पिता जिसने युद्ध में दुश्मनों से लड़ा, जिसने सेवा में राष्ट्र को प्राथमिकता दी, वह अपने ही घर में अकेलेपन से हार गया। उसकी आखिरी इच्छा थी कि उसके तमगे और तस्वीरें बटालियन को लौटा दी जाएं। शायद वो ये नहीं चाहता था कि उसके बच्चों के ड्राइंग रूम में झूठी स्मृति के रूप में उसकी तस्वीर टंगी रहे। हम एक ऐसे समाज में जी रहे हैं, जहां हर त्योहार पर परिवार के साथ समय बिताएं जैसे विज्ञापन चलाए जाते हैं, लेकिन असल में माता-पिता के पास समय बिताने वाला कोई नहीं होता। वीडियो कॉल पर रिश्ता निभाया जाता है, जन्मदिन पर केक भेजकर ज़िम्मेदारी पूरी मानी जाती है, और अंत्येष्टि में आना काम की व्यस्तता के आधार पर टाला जा सकता है। कर्नल साहब के बेटे के लिए यह सिर्फ एक और दिन रहा होगा। लेकिन उस दिन ने एक पिता को चुपचाप शहीद कर दिया – इस बार बिना दुश्मन के, बिना युद्ध के, बिना आदेश के। जिस समाज में माताएं बेटे को यह सिखाती थीं कि बुढ़ापे में मां-बाप भगवान होते हैं, उस समाज में बेटे मां के निधन पर आने से कतराने लगे हैं। यह संस्कारों की नहीं, अवसरवादिता की पीढ़ी है। जहां हमारी प्राथमिकताएं बदल गई हैं जैसे वाक्य, रिश्तों की कब्र पर पत्थर बनकर रख दिए गए हैं। रिश्ते अब भावना से नहीं, सहूलियत से निभाए जाते हैं। कोई फोन करेगा तो बात होगी। कोई कहेगा तो आऊंगा। कोई मरेगा तो सोचूंगा। यही हमारी आधुनिक संस्कृति है, जो रिटायरमेंट के बाद मां-बाप को केवल एक खर्च या बोझ समझती है। क्या हम सोचते हैं कि हमारे बच्चों को हम जैसा ही व्यवहार मिलेगा? क्या जो आज बोया जा रहा है, वही कल काटा नहीं जाएगा? बेटों ने क्या सिर्फ इसलिए पढ़ाई की थी कि वे संवेदना से चूक जाएं? अगर शिक्षा केवल कैरियर और डॉलर कमाने तक सीमित रह जाए, तो वह एक आदर्श संतान नहीं, एक संवेदनहीन मशीन तैयार करती है। कर्नल साहब ने खुद को गोली नहीं मारी – उन्होंने एक घोषणा की थी। कि वह एक असफल पिता थे, क्योंकि उन्होंने ऐसे बेटे पैदा किए जो शव देखने से डरते थे, लेकिन सेल्फी लेने में नहीं झिझकते। उन्होंने एक ऐसा समाज छोड़ा, जो बुजुर्गों की बातें 'बोरिंग' समझता है और बूढ़ों के आँसू सिर्फ ग्लानि का विषय बनते हैं, करुणा का नहीं। अब सवाल यह है कि हम इस पत्र को पढ़कर केवल अफसोस जताएं या आत्मपरीक्षण करें। हम क्या वाकई उस दिशा में जा रहे हैं, जहां रिश्तों का मूल्य डॉलर से कम है? क्या हम अपने बच्चों को यह शिक्षा दे रहे हैं कि सफलता का मतलब पीछे मुड़कर न देखना है? कर्नल साहब का पत्र चेतावनी है – उन सब के लिए जो सोचते हैं कि विदेश में बस जाने से जड़ें खत्म हो जाती हैं। नहीं, जड़ें हमेशा रहती हैं। सूखती हैं, तबाही लाती हैं। यह समाज तब तक जीवित रहेगा, जब तक बुजुर्गों को सम्मान मिलेगा। जिस दिन मां की चिता को बेटे इवेंट मानने लगेंगे, उस दिन से सभ्यता खत्म होनी शुरू हो जाएगी। आज जो कर्नल साहब के साथ हुआ, वह कल किसी और के साथ होगा। शायद आपके साथ। शायद मेरे साथ। आखिर में बस इतना कहना चाहूंगी – रिश्ते निभाइए। मां-बाप को समय दीजिए। अमेरिका जाकर सफलता अर्जित करना बुरा नहीं, पर उस उड़ान में अगर संवेदनाएं पीछे छूट जाएं तो वह उड़ान नहीं, विस्मृति बन जाती है। कर्नल साहब की आत्महत्या, एक पिता का मर जाना नहीं है – यह हमारे समाज की आत्मा की पराजय है। और अगर अब भी हम नहीं चेते, तो अगली पीढ़ी हमें केवल बर्थडे कार्ड और अंत्येष्टि के टोल फ्री नंबर ही देगी।

# महिला जैन मिलन द्वारा योग दिवस पर भावना योग

**सागर. शाबाश इंडिया**

विश्व योग दिवस के अवसर पर महिला जैन मिलन क्षेत्र 10 नेहानगर शाखा द्वारा भावना योग शिविर जैन धर्मशाला में आयोजित किया गया।परम पूज्य मुनि श्री प्रमाण सागर जी महाराज की प्रेरणा एवं आशीर्वाद से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ख्याति प्राप्त भावना योग का आयोजन योग शिविर के अवसर पर किया गया जिसमें 100 लोगों ने भाग लिया कार्यक्रम में सर्वप्रथम महावीर वंदना के साथ प्रारंभ हुआ सर्वप्रथम प्रशिक्षक श्रीमती सुनीता जैन ने भावना योग के विषय में जानकारी दी उन्होंने बताया कि भाव ना योग के माध्यम से अपने अंदर पॉजिटिव एनर्जी का संग्रह करना है और इसके कारण ही हम शारीरिक और मानसिक क्षमता का विकास कर सकते हैं प्रतिदिन सुबह

30 मिनट भावना योग करने से आपकी दैनिक दिनचर्या में एवं कार्य क्षमता में प्रगति होगी। प्रशिक्षक कु. अंशिका जैन के द्वारा योग कराया गया। सभी ने 1 घंटे तक भावना योग किया अंत में सभी वीर,वीरांगनाओं ने योग दिवस एवं भावना योग पर अपने विचार रखें सभी ने बताया कि कैसे योग हमारे जीवन शारीरिक, मानसिक रूप से उपयोगी है अंत में महिला जैन मिलन द्वारा प्रशिक्षिक श्रीमती सुनीता जैन, कुमारी अंशिका जैन का सम्मान किया गया। संचालन वीरांगना श्रीमती रुचि सेठ ने किया एवं आभार वीरांगना श्रीमती मनीषा जैन ने माना। वीर पं. राजकुमार शास्त्री, क्षेत्रीय उपाध्यक्ष वीर मनीष जी शास्त्री, वीर आर.के जैन बैंक, वीर राजीव भारिल्ल,क्षेत्रीय संयोजिका वीरांगना अनीता जी, पूर्व अध्यक्ष वीरांगना रितु जी, शाखा अध्यक्ष वीरांगना मनीषा चंदेरिया जी, कोषाध्यक्ष वीरांगना स्मिता भाई जी, मंत्री वीरांगना रुचि सेठ जी, वीरांगना शालिनी बजाज, वीरांगना ज्योति जी, वीरांगना मंजू, वीरांगना रेनू जी, वीरांगना ज्योति जी, वीरांगना स्मिता प्रमोद भाई जी, वीरांगना रजनी जी, वीरांगना सरिता जी वीरांगना दीपा जी आदि वीरांगनाओं भाग लिया।

**प्रेषक : मनीष जैन विद्यार्थी सागर**

### नेट थिएट पर नाटक का सशक्त मंचन

# संस्कारविहीन जीवन पर कटाक्ष है नाटक जंबूरा

**जयपुर. शाबाश इंडिया**

नेट थिएट कार्यक्रमों की श्रंखला में आज प्रोग्रेसिव फॉर्म की ओर से डॉ संजीव चौधरी द्वारा लिखित और डॉ. गिरीश कुमार यादव द्वारा निर्देशित नाटक जंबूरा का सशक्त मंचन किया गया। नेट थिएट के राजेंद्र शर्मा राजू ने बताया कि नाटक में राशिक परिहार प्रवीण लश्कर विवेक जाखड़ स्थित पांडे मोहित सिंघल फैजान खान और राहुल कुमावत ने अपने सशक्त अभिनय से नाटक को जीवंत किया। सारांश शून्य से सृष्टि की उत्पत्ति हुई थी। उस अनादि काल में न सत्य था न असत्य; न सत्ता की लालसा थी, न ही जाति-पाँति का कोई भेदभाव। मनुष्य ने असभ्यता की गोद में जन्म लिया। भूख लगने पर वह पशुओं का शिकार करता था। परंतु समय के साथ उसकी आवश्यकताएँ रूप बदलने लगीं। वह धीरे-धीरे सभ्यता और संस्कारों को अपनाने लगा तथा प्रगति के पथ पर अग्रसर हुआ। नैतिकता के क्षेत्र में विकास करते हुए उसने भौतिकता में भी अभूतपूर्व उन्नति की। विभिन्न धर्मों और समुदायों में वह शांतिपूर्वक सह-अस्तित्व का जीवन जीने लगा। उस समय उसके जीवन के मूल मंत्र थे – 'सम्मान' और 'अहिंसा'। किन्तु समय अपनी गति से चलता रहा। मनुष्य की सोच की दिशा बदलने लगी। धर्मों और समुदायों के भीतर जैसे-जैसे बदलाव आए, वैसे-वैसे उसके विचारों में विष घुलता गया। स्वामित्व और सत्ता की होड़ में वह एक विषैला प्राणी बन गया – ऐसा प्राणी जो अब स्वयं अपनी ही जाति को डसने लगा है। जो मनुष्य कभी अपनी भूख मिटाने के लिए पशुओं का शिकार करता था, आज वह सत्ता की भूख मिटाने के लिए मनुष्यों का ही शिकार कर रहा है। तो क्या हम फिर उसी संस्कारविहीन आदिकाल की ओर लौट रहे हैं? आइए – हम सब मिलकर इस पर गहराई से चिंतन करें, मनन करें – और फिर कुछ ठोस निर्णय लें। भविष्य का निर्माण हमारे आज के विचारों और कर्मों पर निर्भर करता है। नाटक में गरिमा सिंह राजावत वेशभूषा, मंच सज्जा विवेक जाखड़, फैजान खान, पर पार्श्व संगीत मोहित सिंघल, निशांत साहू और प्रकाश सजा सावन कुमार जांगिड़ की श्रेष्ठ रही। कार्यक्रम संयोजक नवल डांगी कैमरा और लाइट्स मनोज स्वामी की रही।

# अर्हं ध्यान योग का विशेष सत्र आयोजित

**जयपुर. शाबाश इंडिया**

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर पार्श्व नाथ दिगम्बर जैन मंदिर थड़ी मार्केट मानसरोवर संत भवन में अर्हं परिवार जयपुर के अशोक जैन, कल्पना जैन ने अर्हम ध्यान योग का विशेष सत्र आयोजित किया। इसमें अन्य प्रशिक्षक अंतरप्पा सुनीता दीदी, ललिता दीदी और मुकेश जैन ने सहयोग किया। कार्यक्रम में जैन बैंकर्स जयपुर, मीरा मार्ग जैन मंदिर, एस एफ एस जैन मंदिर एवं टाइम बैंक ऑफ इंडिया के 100 अधिक सदस्यों ने हर्षोल्लास के साथ भाग लिया। कार्यक्रम का संयोजन अशोक जैन पूर्व महा प्रबंधक यूनियन बैंक ने किया। योग कार्यक्रम में जैन बैंकर्स सुनील काला, पदम बिलाला, कमलेश पांड्या, मुकेश पांड्या, नरेंद्र सेठी, नरेन बड़जात्या, प्रज्ञा बड़जात्या आदि भी सम्मिलित थे।

# डडूका नगरी में बही ज्ञान गंगा : मुनि शुद्ध सागरजी महाराज ओर मां विज्ञान मति संसंघ के सानिध्य में

**डडूका. शाबाश इंडिया**

बारिश की रिमझिम के साथ धर्म नगरी डडूका संत समागम की जैसे बहार ही आ गई है। प्रातः मुनि शुद्ध सागरजी महाराज संसंघ के मांगलिक सान्निध्य में पार्श्वनाथ जिनालय में शांतिधारा संपन्न हुई। आयोजन में विज्ञान मति माताजी भी आशीर्वाद देती रही। प्रातः स्थानीय पार्श्वनाथ सभागार में दोनों ही संघों के मांगलिक सान्निध्य में विशाल धर्मसभा आयोजित हुई जिसमे जैन समाज डडूका, जैन युवा समिति डडूका, प्रभावना महिला मंडल डडूका तथा दिगंबर जैन पाठशाला डडूका ने हिस्सा लिया। समाजजनों ने माताजी विज्ञान मति जी तथा मुनि श्री शुद्ध सागरजी महाराज को श्रीफल भेंट कर डडूका में प्रवासरत रहने आग्रह किया। सभा को संबोधित करते हुए विज्ञान मति माताजी ने कहा की व्यक्ति को विवाह के बाद भी एक ही पत्नी का नियम लेना चाहिए, इससे भी बड़ा पुण्य अर्जित किया जा सकता है। जब आप दूसरा विवाह करेंगे ही नहीं तो फिर एक ही पत्नी का नियम पालन कर पुण्य अर्जन क्यों नहीं करते। माताजी ने नियमों का महत्व बताते हुए कहा कि इन्हीं की बदौलत अंजन चोर को, सीता माता को अग्नि परीक्षा में, सती सोमा को नाग को पुष्पहार में बदलने में, सती अंजना को को अपने सतीत्व की रक्षा में मदद मिली थी।

# योग के विभिन्न आसनों का अभ्यास करवाया

**जयपुर. शाबाश इंडिया।** अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर राजस्थान प्रदेश अग्रवाल महासभा व राजस्थान प्रदेश वैश्य महासभा के बैनर तले विद्याधर नगर स्थित महासभा के कार्यालय में योग शिविर का आयोजन किया गया। इस मौके पर जीवन में योग से स्वस्थ कैसे रहे,इसके बारे में जाना। इस अवसर पर योग प्रशिक्षक व महासभा के संस्थापक अध्यक्ष प्रकाश चंद गुप्ता ने बताया कि योग हमारी देश की हजारों साल पुरानी ऐसी विधि है,जिसकों हम अपने जीवन में अपने जीवन में अपनाकर अपने शरीर को निरोग बनाए रख सकते है। इस अवसर पर योग प्रशिक्षक प्रकाश गुप्ता ने योग के विभिन्न आसनों का अभ्यास कराया। इस दौरान मक्खन कांडा, प्रभात गुप्ता, राजेश अग्रवाल, उमेश नारनौली, दिनेश अग्रवाल, बजरंग लाल बोरा, बाबूलाल गुप्ता, संतोष, टिल्लू रुडल, प्रतिभा नारनौली, कविता, परशुरामपुरिया, अनिल अग्रवाल, किशन अग्रवाल, विनोद कुमार अग्रवाल, गोपाल गुप्ता, बंटी अग्रवाल व राजेंद्र सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

# जीवन में सुख-शांति अर्जन में नहीं विसर्जन में है: मुनि आदित्य सागर

## मुनि संघ का जयकारों के बीच यशकीर्ति जुलूस के रूप में हुआ कीर्ति नगर में भव्य मंगल प्रवेश

**जयपुर. शाबाश इंडिया**

हम अच्छे जीवन के लिए प्रयास करते हैं किन्तु उपाय नहीं करते। गुरुओ की सनिधि प्राप्त होना सबसे बडी सम्पति है। जीवन में सुख, सम्पति छोडने में है जोडने में नही। ये उद्गार श्रुत संवेगी महाश्रमण आदित्य सागर मुनिराज ने कीर्ति नगर के श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर में मंगल प्रवेश के पश्चात आयोजित धर्म सभा में व्यक्त किये। मुनि श्री ने आगे कहा कि जिसके अन्तरंग में संतोष है वो सबसे बडा सुखी व्यक्ति है। जीवन में शांति एवं संतोष, अर्जन में नही विसर्जन में है। प्राप्ति का आनन्द छोड़ने पर ही है। वक्त की इस दौड में जो संतोषी है वो ही सुखी है। हर व्यक्ति को अपना सम्मान, इज्जत बनाकर रखनी जरुरी है। इससे पूर्व धर्म सभा में समाजश्रेष्ठी कुशल ठोलिया, मधु ठोलिया एवं विकास सेठी ने भगवान पार्श्वनाथ के चित्र का अनावरण एवं दीप प्रज्जवलन किया।मुनि भक्त पुष्पेन्द्र कुमार संतोष कुमार बयाना वालों ने पाद पक्षालन किया। कोटा निवासी मुनि भक्त संजय बडजात्या ने मुनि श्री को जिनवाणी भेट की। नन्हीं बालिकाओं ने मंगल मंगल घड़ी..... मंगलाचरण प्रस्तुत किया। बांसवाडा की गायिका दिशी जैन ने भक्ति रस बरसाकर उपस्थित श्रद्धालुओं को झूमने को मजबूर कर दिया। इस मौके पर 2 वर्षों में मुनि श्री ससंघ का 2000 किलोमीटर से अधिक का विहार करवाने वाले संघपति भीलवाड़ा निवासी विकास सेठी सहित अतिथियों का स्वागत मंदिर कमेटी के अध्यक्ष प्रेम कुमार जैन, मंत्री जगदीश जैन, प्रचार मंत्री आशीष बैद आदि ने किया। जिनवाणी स्तुति के बाद समापन हुआ। इस दौरान श्री वीर सेवक मण्डल जयपुर के सदस्यों एवं जनकपुरी मंदिर कमेटी ने श्रीफल भेट कर आशीर्वाद प्राप्त किया। धर्म सभा में समाजश्रेष्ठी उमराव मल संघी, अशोक जैन नेता, महेश काला, सुनील बख्शी, प्रदीप जैन,विनोद जैन कोटखावदा, राजीव जैन गाजियाबाद, मनोज झांझरी,धर्म चन्द पहाडियाँ, सुधीर जैन, हेमन्त सोगानी,जे एम जैन, सुभाष बज, चेतन जैन निमोडिया, कैलाश छाबड़ा, उदयभान जैन, प्रकाश गंगवाल, पदम बिलाला, राजीव पाटनी,अनिल छाबड़ा, भानू छाबड़ा, योगेश टोडरका, राकेश छाबड़ा, नरेश कासलीवाल, रमेश बोहरा, अरुण काला मटरु, राज कुमार छाबड़ा, सुरेन्द्र जैन,शांति लाल जैन, रविन्द्र बिलाला, सहित बड़ी संख्या में गणमान्य लोग उपस्थित थे। मंच संचालन मनीष बैद, अक्षया सेठी ने किया। इससे पूर्व दुर्गापुरा जैन मंदिर से मुनि संघ का कीर्तिनगर के लिए मंगल विहार शुरू हुआ। मुनि संघ के महावीर नगर के दिगम्बर जैन मंदिर पहुचने पर सैकड़ों श्रद्धालुओं ने बैण्ड बाजों के साथ भव्य अगवानी कर मंगल प्रवेश जुलूस रवाना किया। जुलूस में हाथी, घोडे, बग्गियां, बैण्ड बाजों के साथ महावीर नगर, दुगार्पुरा, मधुवन टौक फाटक, कीर्ति नगर की महिला मण्डल की सदस्याऐं रंग बिरंगे परिवेश पहने नाचते गाते शामिल हुई। बालक - बालिकाऐं 21 एक्टिवा स्कूटरों पर हाथ में जैन ध्वज पकड़े जयकारे लगाते हुए वातावरण को भक्ति मय बना रहे थे। जैन धर्म एवं जैन ध्वज की पहचान पचरंगे गुब्बारें हाथ में लेकर महिलाऐं डांडिया नृत्य करते हुए चल रही थी। मार्ग में मुनि संघ के जगह जगह पाद पक्षालन एवं मंगल आरती करने के लिए श्रद्धालुओं की लाईने लगी हुई थी। श्री मुनि संघ सेवा समिति बापूनगर, राजस्थान जैन युवा महासभा जयपुर के प्रदीप जैन, विनोद जैन कोटखावदा, दीक्षान्त हाडा व अन्य सदस्यों व अन्य संस्थाओं की ओर से भी पाद पक्षालन एवं आरती की गई। यश कीर्ति जुलूस के कीर्ति नगर जैन मंदिर पहुचने पर महिला मण्डल की सदस्याओं ने सिर पर मंगल कलश लेकर अगवानी की। प्रबंधकारिणी समिति ने पाद पक्षालन एवं महिला मंडल ने मंगल आरती की। जुलूस में महिला मण्डल की सदस्याऐं एवं श्रद्धालु बडी संख्या में नाचते गाते शामिल हुए। श्री वीर सेवक मण्डल जयपुर के सदस्यों ने जुलूस व्यवस्था सम्हाली। मंदिर समिति के अध्यक्ष प्रेम कुमार जैन एवं मंत्री जगदीश जैन के मुताबिक आहार चर्या के बाद संतों ने सामायिक की। दोपहर में जिनवाणी चर्चा की गई। सायंकाल गुरु भक्ति, आरती के बाद श्रुत समाधान कार्यक्रम किया गया। मीडिया प्रभारी विनोद जैन कोटखावदा एवं आशीष बैद ने बताया कि सोमवार, 23 जून को प्रातः 8.15 कीर्ति नगर के श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर में मुनि श्री ससंघ के सानिध्य में धर्म सभा का आयोजन किया जाएगा। सायंकाल 6.15 बजे गुरु भक्ति, आरती के बाद श्रुत समाधान का आयोजन किया जाएगा।

# अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर रोटरी क्लब जयपुर नॉर्थ द्वारा नेहरू गार्डन में भव्य योग आयोजन

**जयपुर. शाबाश इंडिया।** अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर रोटरी क्लब जयपुर नॉर्थ एवं **Anjali Acupressure Treatment & Yoga Center** के संयुक्त तत्वावधान में नेहरू गार्डन, जयपुर में एक प्रेरणादायक और भव्य योग कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस आयोजन में 200 से अधिक योग साधकों ने भाग लिया। प्रातःकालीन इस आयोजन की शुरूआत मंत्रोच्चारण एवं सामूहिक प्रार्थना से हुई, जिसके पश्चात विशेषज्ञ योगाचार्यों के मार्गदर्शन में योगासन, प्राणायाम और ध्यान का अभ्यास कराया गया। कार्यक्रम में सभी प्रतिभागियों ने पूरे मनोयोग और अनुशासन के साथ भाग लिया, जिससे न केवल शारीरिक लचीलापन और मानसिक संतुलन बढ़ा, बल्कि आध्यात्मिक ऊर्जा का भी अनुभव हुआ। कार्यक्रम के अंत में एक संक्षिप्त संस्कृतिक प्रस्तुति भी आयोजित की गई, जिसमें क्लब सदस्यों व बच्चों ने गीत, संगीत और कविता के माध्यम से योग के महत्व को रेखांकित किया। रोटरी क्लब जयपुर नॉर्थ के अध्यक्ष अनिल जैन ने इस अवसर पर कहाः योग न केवल स्वास्थ्य का साधन है, बल्कि यह जीवनशैली का मार्गदर्शन करता है। रोटरी क्लब समाज को शारीरिक, मानसिक और सामाजिक रूप से सशक्त बनाने के लिए समर्पित है। रोटरी क्लब जयपुर नॉर्थ शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यावरण संरक्षण और सेवा के क्षेत्र में वर्षों से सक्रिय भूमिका निभा रहा है, और इस आयोजन ने एक बार फिर क्लब की समाज के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाया।

# राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय का नवम् दीक्षांत समारोह हुआ आयोजित

## पत्रकारिता में पीएचडी करने पर डॉ. रहीम खान का केंद्रीय मंत्री ने किया सम्मान

**अमित गोधा. शाबाश इंडिया**

**ब्यावर।** राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय किशनगढ़ का नौवां दीक्षांत समारोह विश्वविद्यालय परिसर बांदरसिंदरी में भव्य रूप से आयोजित किया गया। इस समारोह में विभिन्न शैक्षणिक क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र-छात्राओं को गोल्ड मेडल और डिग्रियां प्रदान की गई। यह समारोह विश्वविद्यालय के लिए एक महत्वपूर्ण अवसर था, जिसमें शैक्षणिक उपलब्धियों का उत्सव मनाया गया। इस दीक्षांत समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में भारत सरकार के शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान उपस्थित रहे। उनके साथ विशिष्ट अतिथि के रूप में केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण राज्यमंत्री भागीरथ चौधरी ने भी कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई।

कार्यक्रम की अध्यक्षता राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आनंद भालेराव ने की। प्रो. भालेराव ने विश्वविद्यालय को शैक्षणिक उत्कृष्टता और अनुसंधान के क्षेत्र में नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उनके नेतृत्व में विश्वविद्यालय ने कई उपलब्धियां हासिल की हैं, और यह दीक्षांत समारोह उनके प्रयासों का एक और प्रमाण है। इस समारोह में विश्वविद्यालय के कल्चर एवं मीडिया विभाग से पत्रकारिता के क्षेत्र में पीएचडी करने वाले डॉ. रहीम खान का भी सम्मान किया गया। डॉ. रहीम खान को उनकी शैक्षणिक उपलब्धि के लिए केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान की गरिमामय उपस्थिति में केंद्रीय मंत्री भागीरथ चौधरी और कुलपति प्रो आनंद भालेराव के हाथों सम्मानित किया गया। यह सम्मान न केवल डॉ. खान की मेहनत और लगन का प्रतीक है, बल्कि विश्वविद्यालय के पत्रकारिता विभाग की गुणवत्ता को भी दशार्ता है। राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय का यह दीक्षांत समारोह छात्रों के लिए एक यादगार पल था, जब उनकी वर्षों की मेहनत और समर्पण को औपचारिक रूप से मान्यता मिली। इस अवसर पर स्नातक, स्नातकोत्तर, और शोध स्तर की डिग्रियां प्रदान की गई। समारोह में छात्रों के साथ उनके अभिभावक, शिक्षक, और विश्वविद्यालय के कर्मचारी भी शामिल हुए। राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय ने अपनी स्थापना के बाद से ही शिक्षा और अनुसंधान के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति की है।

# अर्हंमयी वर्षायोग 2025 कविनगर गाजियाबाद में

**अशोकनगर. शाबाश इंडिया।** परम पूज्य पट्टाचार्य भगवन विशुद्ध सागर जी महाराज एवं सारस्वत कवि श्रमणाचार्य विभवसागर जी के शुभाशीष से भक्तामर साधिका सम्यक्त्ववर्धिनी श्रमणी आर्यिकारत्न अर्हंश्री माताजी ससंघ का अर्हंमयी अमृत वर्षायोग 2025 कराने का सौभाग्य सकल दिगम्बर जैन समाज कविनगर गाजियाबाद को प्राप्त हुआ है। माताजी के धर्मपिता एवं विमर्श जागृति मंच के राष्ट्रीय कार्याध्यक्ष सुभाष जैन कैंची बीड़ी ने जानकारी देते हुए बताया कि श्रमणी आर्यिका 105 अर्हंश्री माताजी ससंघ का अर्हंमयी अमृत वर्षायोग 2025 की उद्घघोषणा रविवार को प्रातः धर्मोदय तीर्थ श्री खंडेलवाल दिगम्बर जैन मंदिर राजा बाजार कनॉट प्लेस नई दिल्ली में की गई आप सभी के पुण्य की अर्हंश्री भक्त परिवार भारत अनुमोदना करता है। सकल दिगम्बर जैन समाज कविनगर गाजियाबाद ने सभी गुरुभक्तों से चातुर्मास में सपरिवार पधारकर धर्मलाभ लेने का अनुरोध किया है। ज्ञातव्य है कि अर्हम श्री माताजी की क्षुल्लिका दीक्षा सन 2013 में अशोकनगर में हुई थी।

# दिगंबर जैन सोशल ग्रुप नवकार अध्यक्ष का जन्मदिन मनाया

**जयपुर. शाबाश इंडिया**

दिगंबर जैन सोशल ग्रुप नवकार के अध्यक्ष मोहन लाल गंगवाल का जन्मदिन हर्षोल्लास से कृष्णा होटल विजयनगर में मनाया। दिगंबर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन राजस्थान रीजन सचिव नीरज जैन ने बताया कि रीजन के विभिन्न ग्रुपों के अध्यक्ष , सचिव , संस्थापक अध्यक्ष फेडरेशन की केबिनेट मीटिंग प्रतापगढ़ से वापस जयपुर आते हुए रास्ते में गिगराना भीलवाड़ा के पास मोहन लाल गंगवाल को माल्यार्पण कर उनका जन्मदिन मनाया।

# रोटरी क्लब जयपुर नॉर्थ को मिला गौरवमयी सम्मान

## "Outstanding President" सहित अनेक श्रेणियों में District Awards 2024–25 प्राप्त

**जयपुर।** रोटरी क्लब जयपुर नॉर्थ ने "आदित्य आभार समारोह 2024–25" के अंतर्गत आयोजित District 3056 Award Ceremony में उल्लेखनीय उपलब्धियाँ हासिल कर जयपुर और राजस्थान को गौरवान्वित किया है।इस समारोह में क्लब के अध्यक्ष Rtn. अनिल जैन को उनके प्रेरणादायक नेतृत्व, समर्पणपूर्ण सेवा भावना और कुशल प्रबंधन के लिए "Outstanding President Award" से विशेष रूप से सम्मानित किया गया। यह सम्मान उनके नेतृत्व में क्लब द्वारा सामाजिक सरोकारों एवं सामुदायिक सेवाओं के क्षेत्र में किए गए उल्लेखनीय कार्यों का प्रतीक है। रोटरी क्लब जयपुर नॉर्थ को प्राप्त हुए अन्य प्रमुख पुरस्कार इस प्रकार हैं:

- Best Public Relation Programme Award – जनसंपर्क एवं रचनात्मक अभियानों के लिए
- Aditya Ruby Club Excellence Award – रोटरी की रणनीतिक प्राथमिकताओं के उत्कृष्ट क्रियान्वयन हेतुइस अवसर पर Rtn. अनिल जैन ने कहा, "यह सम्मान मेरे अकेले का नहीं, बल्कि हमारी पूरी टीम की मेहनत, समर्पण और सहयोग का परिणाम है। हमारा लक्ष्य सेवा के माध्यम से समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाना है।"इस गरिमामयी समारोह में डिस्ट्रिक्ट गवर्नर Dr. राकी गुप्ता ने सभी विजेताओं को सम्मानित किया एवं क्लब की उपलब्धियों की सराहना की। रोटरी क्लब जयपुर नॉर्थ निरंतर सामाजिक upliftment, स्वास्थ्य, शिक्षा, पर्यावरण संरक्षण और महिला सशक्तिकरण जैसे क्षेत्रों में अग्रणी भूमिका निभा रहा है। यह उपलब्धियाँ क्लब की समर्पित सोच और सामूहिक प्रयासों का प्रतिफल हैं।

# दिगंबर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन की केबिनेट मीटिंग संपन्न

## राष्ट्रीय अध्यक्ष का हुआ शपथ ग्रहण समारोह, एक नए ग्रुप का भी हुआ शपथ ग्रहण

फेडरेशन के मिडिया प्रभारी राजेश जैन दद्दू एवं राकेश गोदिका ने बताया कि इस ऐतिहासिक आयोजन की मेजबानी दिगंबर जैन सोशल ग्रुप प्रतापगढ़ राजस्थान द्वारा की गई...

**प्रतापगढ़. शाबाश इंडिया**

दिगंबर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन की राष्ट्रीय अध्यक्षीय शपथ समारोह एवं द्वितीय राष्ट्रीय कैबिनेट मीटिंग दिनांक 22 जून रविवार 2025 को राजस्थान की पुण्यधरा प्रतापगढ़ में अत्यंत भव्य, गरिमामयी एवं उत्कृष्ट व्यवस्थाओं के साथ सम्पन्न हुई। फेडरेशन के मिडिया प्रभारी राजेश जैन दद्दू एवं राकेश गोदिका ने बताया कि इस ऐतिहासिक आयोजन की मेजबानी दिगंबर जैन सोशल ग्रुप प्रतापगढ़ राजस्थान द्वारा की गई, जिन्होंने अपनी अतिथि-सत्कार की अनुपम परंपरा, उत्कृष्ट संयोजन और आत्मीय व्यवहार से पूरे देश से आए हुए ग्रुप प्रतिनिधियों एवं अतिथियों को आत्मिय स्वागत वंदन किया। समारोह का ध्वजारोहण दीपक मंजू पाड़लिया द्वारा, मंडप उद्घाटन नरेंद्र माया जैन (जनता होटल), चित्र अनावरण उज्ज्वल कविता

जैन (मंडी) और दीप प्रज्जवलन सुनील अनीता शाह द्वारा किया गया। प्रशांत चोधरी ने बताया कि प्रथम सत्र में राष्ट्रीय अध्यक्ष मनोहर झांझरी ने उत्साहवर्धक एवं गौरवमयी वातावरण में शपथ ली। यह दृश्य फेडरेशन के एक नए युग की शुरूआत का प्रतीक बना। इस अवसर पर राष्ट्रीय महासचिव विनय जैन जबलपुर एवं राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष अश्विन कासलीवाल उज्जैन एवं अमित कासलीवाल भी शपथ महोत्सव के साक्षी बने। शपथ समारोह के पश्चात दोपहर में द्वितीय सत्र में राष्ट्रीय कैबिनेट सभा का सफल आयोजन हुआ जिसमें फेडरेशन की आगामी योजनाओं, सेवाभावी कार्यक्रमों और सामाजिक योगदान को लेकर महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। केबिनेट मीटिंग प्रभारी यश कमल अजमेरा व सह प्रभारी राजेश बड़जात्या ने बताया कि प्रतापगढ़ ग्रुप द्वारा आतिथ्य सत्कार की गई सुरुचिपूर्ण भोजन व्यवस्था भी विशेष रूप से सारहनिय रही। इस सफल आयोजन के पीछे दिगंबर जैन सोशल ग्रुप प्रतापगढ़ के पदाधिकारियों का अथक परिश्रम रहा अध्यक्ष-सतीश मनीषा शाह, सचिव-अंकित कीर्ति जैन, कोषाध्यक्ष-देवेंद्र अनीता बण्डी इन सभी के कुशल नेतृत्व में प्रतापगढ़ ग्रुप ने जो सारहनीय कार्य किया, वह समर्पण, सूझबूझ और संगठन कौशल का आदर्श उदाहरण बन गया।

# तलवाड़ा रोड स्थित बाबा रामदेव मंदिर में, बाबा रामदेव भंडारा सेवा समिति की बैठक संपन्न

रमेश भार्गव. शाबाश इंडिया

ऐलनाबाद। ऐलनाबाद शहर के श्री बाबा रामदेव मंदिर तलवाड़ा रोड स्थित रविवार को श्री बाबा रामदेव भंडारा सेवा समिति की वार्षिक बैठक का आयोजन किया गया। इस बैठक में 2025 भंडारे के आयोजन को लेकर विचार विमर्श किया गया और आगामी भंडारा स्थल पर चल रहे शेड के निर्माण हेतु कार्यक्रम को लेकर रूपरेखा तैयार की गई। बैठक की अध्यक्षता बाबा रामदेव भंडारा सेवा समिति के प्रधान जसवंत बेनीवाल ने की। और इस बैठक मे समिति द्वारा जलपान की व्यवस्था भी की गई थी। बैठक में बाबा रामदेव भंडारा सेवा समिति के प्रवक्ता एमपी तंवर ने बताया कि समिति हर वर्ष रामदेवरा पैदल जाने वाले यात्रियों के लिए बीकानेर से 60 किलोमीटर आगे सांखला फांटा के पास जैसलमेर रोड पर 17 साल से भंडारे का आयोजन करती आ रही है। और इस बार दिनांक 21/08/2025 से 26/08/2025 तक 18वे छः दिवसीय भंडारे का आयोजन किया जाएगा। प्रवक्ता एमपी तंवर ने बताया कि समिति द्वारा हर साल की तरह ही इस साल भी भंडारे का आयोजन किया जा रहा है जिसके तहत आज यह मीटिंग रखी गई है भंडारे के साथ-साथ भंडारा स्थल पर बन रहे सेड के निर्माण कार्य की भी रूपरेखा तैयार की गई है। उन्होंने बताया कि इससे पहले वहां पर टेंट लगाकर भंडारे का आयोजन किया जाता है पर बारिश के समय टैंड में हमें काफी मुसीबत का सामना करना पड़ता था इसके चलते पिछली बार समिति ने यह निर्णय लिया था कि वहां पर शेड का निर्माण किया जाएगा। उन्होंने बताया कि बाबा की कृपा से भंडारा स्थल पर सेड निर्माण कार्य चल रहा है अभी काफी कार्य बाकी है और इसमें काफी खर्चा आएगा श्री बाबा रामदेव भंडारा सेवा समिति ने सभी धार्मिक प्रवृत्ति के लोगों से आग्रह किया है कि वह ज्यादा से ज्यादा इसमें दान देकर पुण्य के भागी बने। उन्होंने ऐलनाबाद व ग्रामीण क्षेत्र के लोगों से भी भंडारे में सेड निर्माण के लिए आर्थिक सहयोग की अपील की है ताकि जल्द से जल्द इस सेड निर्माण कार्य को पूरा किया जा सके। भंडारा स्थल पर शेड निर्माण होने से आने जाने वाले यात्रियों के लिए भी काफी सुविधा होगी। इस मौके पर प्रधान जसवंत बेनीवाल के अलावा ऐलनाबाद संस्था के पदाधिकारी व सेवादारों और ग्रामीण संस्थाओं के पदाधिकारियों ने भाग लिया।

# आत्मरक्षा प्रशिक्षण से कॉन्फिडेंस में वृद्धि, योग करता है निरोग, सिलाई प्रशिक्षण आत्मनिर्भरता मैं सहायकः नीरज जैन उपमहापोर

रोहित जैन. शाबाश इंडिया

अजमेर। मणिपुंज प्रतिभा पल्लवीत केंद्र बालघर अजमेर द्वारा आयोजित निशुल्क प्रशिक्षण कार्यक्रम सिलाई प्रशिक्षण,आत्मरक्षा प्रशिक्षण एवं योग प्रशिक्षण का समापन समारोह नीरज जैन उपमहापौर अजमेर, पारस जांगिड़ अधीक्षक जैल ट्रेनिंग सेंटर,पी सी जैन ट्रस्टी महावीर इंटरनेशनल अपेक्स, इंदू जैन अध्यक्ष महावीर इंटरनेशनल अजमेर के आतिथ्य में संस्था परिसर में मनाया गया जिसमें प्रशिक्षण कार्यक्रम मेंभाग लेने वाले सभी अभ्यर्थियों को प्रमाण पत्र वितरित किए। नवकार मंत्र व सरस्वती वंदना से कार्यक्रम की शुरूआत की गई। श्रीमती अर्चना जैन द्वारा संस्थान की गतिविधियों से सभी को अवगत कराया गया। नीरज जैन उपमहापौर नगर निगम अजमेर ने अपने संबोधन में संस्थान के कार्यकलापों की प्रशंसा करते हुए कहा कि उक्त तीनों कार्यक्रम सराहनीय एवं वर्तमान समय की मांग के अनुसार है इसके अंतर्गत व्यक्ति का स्वयं का कॉन्फिडेंस बढ़ता है साथ ही योग करने से व्यक्ति निरोग रहता है सिलाई प्रशिक्षण से सीखने वाली महिलाएं आत्मनिर्भरता की ओर आगे बढ़ जाती है।

# जिले की सीमा पर जैन समाज ने की मुनि पुंगव श्री सुधा सागर जी महाराज की आगवानी

## हम साधु मंगलाचरण करते हैं और ग्रहस्थ मंगल कलश की स्थापना करता है: मुनि पुंगव

## जिले भर का जैन समाज अशोक नगर में चातुर्मास हेतु श्री फल भेट कर रहा है : विजय धुर्रा

**अशोक नगर।** हम साधु आप सब के मंगल की कामना करते हुए मंगलाचरण करते हैं और ग्रहस्थ मंगल कलश की स्थापना करके अपने जीवन का मंगल करते हैं वस्तुता मंगल कलशो की स्थापना श्रावको के लिए ही होती है संत हमेशा जगत कल्याण की कामना करते रहते हैं उनकी भावना रहती है कि जगत में सुख शांति समृद्धि बढ़ती रहे उक्त आश्य के उद्गार मुनि पुंगव श्री सुधा सागर जी महाराज ने जिले की सीमा पर स्थित मैलूआ चौराहे पर अशोक नगर जिले की जैन समाज को सम्बोधित करते हुए व्यक्त किए। **जिले भर की जनता आपके चातुर्मास का इंतजार कर रही है:** इस दौरान जैन समाज के मंत्री विजय धुर्रा ने कहा कि जैन समाज अध्यक्ष राकेश कासंल महामंत्री राकेश अमरोद कोषाध्यक्ष सुनील अखाई के नेतृत्व में पूरे जिले की जैन समाज अशोक नगर में तैंतीस वर्षो चातुर्मास की आश लेकर श्री फल भेंट करने आयें है हम सब की भावना है कि इस वर्ष जैन दर्शन के प्रमुख संत का मंगल चातुर्मास हमारे नगर में हो देशभर में जहां भी आचार्य भगवंत विराजमान रहे वह निवेदन लेकर पहुंचे आज हमारे जिले की सीमा पर राधौगढ़ में पंचकल्याणक हो रहे हैं और आपके चरण अशोक नगर की ओर बढ़े समाज के अध्यक्ष राकेश कासंल उपाध्यक्ष अजित वरोदिया प्रदीप तारई महामंत्री राकेश अमरोद कोषाध्यक्ष सुनील अखाई मंत्री शैलेन्द्र श्रागर मिडिया प्रभारी अरविंद कचनार आडीटर संजय के टी संयोजक उमेशसिघई मनीष सिंघई मनोज रन्नौद थूवोनजी कमेटी अध्यक्ष अशोक जैन टींगू उपाध्यक्ष संजीव श्रागर संजीव महावीर स्वीट्स मंत्री महामंत्री मनोज भैसरवास पूर्व महामंत्री विपिन सिंघई मंत्री शैलेन्द्र दददा विनोद मोदी सुलभ अखाई टिंकल जैन सहित अन्य भक्तों ने श्री फल भेंट किए। ग्रहस्थो का जीवन पुण्य के बल से चलता है। इस दौरान धर्म सभा को सम्बोधित करते हुए मुनि पुगंव श्री सुधासागरजी महाराज ने कहाकि श्रावक का जीवन पुण्य से चलता है। बिना पुण्य कमाये विना ये ही भव गुजर जाये तो बहुत मुश्किल समझना इसलिए हमारे आचार्यओ ने लिखा कि किसी भी रूप में पुण्य कमाते रहना वर्तमान इतना पुण्य कमाना कि भविष्य भी उज्जवल वने मरने के पहले आवास दान देना आवास दान देने वाले इतना पुण्य तो होगा कि उसका जन्म अपने स्वयं के मकान बंगला महल में होगा गायों का सुख देख कर बहुत सन्तोष हुआ सबसे पहले उन्हें आशीर्वाद जिन्होंने जमीन दान दी दुसरा उन्हें जिनके न धन से गौशाला व्यवस्थित हुई और फिर उन कार्यकताओं को जिनकी मेहनत से आज गौशाला संचालित हो रही है सभी को आशीर्वाद है उन्होंने कहा कि महाराज जी किसी को भोजन करा दिया तो कितना पुण्य तुम्हारे दिये हुए दान का कितना उपयोग हुआ कोई भी हो दान देने के उसका उपयोग किया।

# ग्रीष्मकालीन शिविर में निशुल्क सेवाएं प्रदान कर रहे प्रशिक्षकों का किया सम्मान

## भारत स्काउट गाइड की जिला सीकर इकाई राज्य में सर्वश्रेष्ठ-गोवर्धन वर्मा

**सीकर. शाबाश इंडिया।** राजस्थान राज्य भारत स्काउट व गाइड जिला मुख्यालय सीकर के तत्वावधान में आयोजित ग्रीष्मकालीन कला कौशल शिविर का सम्मान समारोह आयोजित किया गया। पीएम श्री राधा कृष्ण मारू राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय में आयोजित सम्मान समारोह के अंतर्गत कार्यक्रम की अध्यक्षता भाजपा जिला अध्यक्ष मनोज बाटड़ ने की , बाटड़ ने भारत स्काउट गाइड आंदोलन को बालकों में स्वावलंबन एवं चरित्र निर्माण उत्पन्न करने वाला संगठन बताया। सरकार के स्तर पर भारत स्काउट गाइड को अधिक से अधिक सहयोग दिलवाया जाएगा। मुख्य अतिथि धोद विधायक गोवर्धन वर्मा ने भारत स्काउट गाइड आंदोलन को सेवाभावी संगठन बताया और कहां की राजस्थान राज्य भारत स्काउट गाइड के सदस्य हर समय हर जगह चाहे आपदा प्रबंधन का कार्य हो और चाहे मेलों में सेवा हो जय जन सेवा हो चाहे पक्षियों के लिए परिंण्डे लगाने की सेवा हो हर समय सेवा के लिए तत्पर रहते हैं ।

# रोटरी क्लब जयपुर बापूनगर को मिले "ग्लोब क्लब एक्सीलेंस अवार्ड" सहित 25 से अधिक प्रतिष्ठित पुरस्कार

**जयपुर. शाबाश इंडिया**

रोटरी इंटरनेशनल डिस्ट्रिक्ट 3056 द्वारा वर्ष 2024-25 के लिए आयोजित ''आदित्य आभार समारोह'' में रोटरी क्लब जयपुर बापूनगर ने अभूतपूर्व सफलता प्राप्त की। क्लब को 25 से भी अधिक पुरस्कारों से सम्मानित किया गया, जिनमें 'ग्लोब क्लब एक्सीलेंस अवार्ड' विशेष रूप से उल्लेखनीय रहा। यह पुरस्कार डी.जी. एक्सीलेंस अवार्ड की श्रेणी में सर्वोच्च सम्मान माना जाता है, जो पूरे जिले के क्लबों में सर्वश्रेष्ठ क्लब को प्रदान किया जाता है। इस अवसर पर डिस्ट्रिक्ट गवर्नर डॉ. राखी गुप्ता द्वारा क्लब के प्रेसिडेंट एडवोकेट अशोक गोयल को 'बेस्ट प्रेसिडेंट' और सचिव बसंत जैन को 'आउटस्टैंडिंग सेक्रेटरी अवार्ड' से नवाजा गया। इन पुरस्कारों से यह सिद्ध होता है कि प्रेसिडेंट एडवोकेट अशोक गोयल के नेतृत्व में क्लब की संपूर्ण टीम ने सेवा कार्यों को प्रभावी ढंग से संपन्न किया। क्लब सचिव बसंत जैन ने जानकारी दी कि रोटरी इंटरनेशनल प्रत्येक वर्ष जिले के अंतर्गत कार्यरत क्लबों द्वारा किए गए सेवा कार्यों, सामाजिक सहभागिता और स्थायी प्रभाव के आधार पर यह पुरस्कार प्रदान करता है। रोटरी क्लब जयपुर बापूनगर को यह सम्मान विभिन्न सेवा क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्यों के लिए व्यक्तिगत और सामूहिक दोनों स्तरों पर प्राप्त हुए हैं। प्रेसिडेंट एडवोकेट अशोक गोयल ने बताया कि क्लब द्वारा वर्ष भर रोटरी इंटरनेशनल के 'एरिया ऑफ फोकस' के अंतर्गत अनेक जनहितकारी गतिविधियाँ आयोजित की गईं, जिनमें फेलोशिप के लिए बॉक्स क्रिकेट टूर्नामेंट स्वास्थ्य के लिए एनीमिया मुक्त भारत अभियान के तहत विभिन्न क्लबो के माध्यम से 3000 से भी अधिक महिलाओं तथा बच्चियों का हीमोग्लोबिन टेस्ट करना तथा ब्लड यूनिट इकट्ठा करना तथा उन्हें आवश्यक परामर्श उपलब्ध कराना, शिक्षा, महिला सशक्तिकरण, पर्यावरण संरक्षण और युवा विकास जैसे महत्वपूर्ण विषय शामिल रहे। इन कार्यक्रमों की योजना और क्रियान्वयन में क्लब सदस्यों की सक्रिय सहभागिता सराहनीय रही।

# दिगंबर जैन सोशल ग्रुप संगिनी फॉरएवर द्वारा अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर भव्य योग कार्यक्रम का आयोजन

**जयपुर. शाबाश इंडिया**

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर दिगंबर जैन सोशल ग्रुप संगिनी फॉरएवर द्वारा एक विशेष योग साधना सत्र का आयोजन बगरूवालान मंदिर में किया गया। इस कार्यक्रम का संचालन योग साधिका श्रीमती नीना पहाड़िया (धर्मपत्नी प्रमोद पहाड़िया) के कुशल निर्देशन में सम्पन्न हुआ। योग सत्र में ग्रुप की लगभग 20 सदस्याओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और ''प्रसन्न मन, स्वस्थ तन और निर्मल चेतना'' की अनुभूति प्राप्त की। कार्यक्रम में संगिनी फॉरएवर ग्रुप की अध्यक्ष श्रीमती शकुंतला बिंदायका ने योग निदेशिका नीना पहाड़िया का माला पहनाकर स्वागत व सम्मान किया तथा उनके योगदान के लिए हार्दिक आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर ग्रुप की सचिव सुनीता गंगवाल, कोषाध्यक्ष उर्मिला जैन, मधु जैन, अंजना , अनीता जैन, बीना शाह चित्रा जी, सीमा जी, निर्मला सहित कई गणमान्य सदस्याएं मौजूद रहीं। विशेष उपस्थिति में सम्यक ग्रुप के संरक्षक महावीर बिंदायका भी सम्मिलित रहे। जिनकी गरिमामयी उपस्थिति ने कार्यक्रम को और अधिक सार्थक बनाया। कार्यक्रम के दौरान श्रीमती अनीता जैन को उनकी विवाह वर्षगांठ के अवसर पर श्रीमती शांता देवी पहाड़िया सहित अन्य सदस्यों द्वारा माला पहनाकर बधाइयाँ दी गईं। योग दिवस का यह आयोजन न केवल स्वास्थ्यवर्धक रहा, बल्कि सामाजिक एकता, सौहार्द और प्रेरणा का स्रोत भी बना।

# स्याद्वाद महामस्तकाभिषेक का हुआ ऐतिहासिक भव्य आयोजन

## 600वें आयोजन में 700 युवा हुए सम्मिलित

**मनोज जैन नायक. शाबाश इंडिया**

**नई दिल्ली।** अंतर्राष्ट्रीय स्याद्वाद युवा क्लब के सदस्यों द्वारा दिल्ली में 600वा सामूहिक महामस्तकाभिषेक कर एक इतिहास रच दिया। अत्यंत ही अद्भुत दृश्य भारत की राजधानी दिल्ली के कनॉट प्लेस स्थित ''भगवान भरत ज्ञानस्थली तीर्थ'' में 22 जून 2025, रविवार को देखने को मिला, जब आचार्य श्री विद्याभूषण सन्मतिसागर जी महाराज द्वारा स्थापित स्याद्वाद युवा क्लब के 700 से अधिक युवाओं ने श्रीजी का कलशाभिषेक किया। यह अवसर था 600वें साप्ताहिक अभिषेक-पूजन का,जो परम पूज्य आचार्य श्री श्रुतसागर जी महाराज के पावन सानिध्य में अत्यंत भक्ति भाव के साथ संपन्न हुआ। प्रातः 5:30 से ही दिल्ली में स्थित चक्रवर्ती भरत भगवान का एकमात्र मंदिर जयकारों से गुंजायमान हो रहा था। हल्के गुलाबी रंग के धोती-दुपट्टे एवं माला-मुकुट से सुसज्जित, उत्साह से भरपूर युवाओं द्वारा भगवान भरत की 31 फुट ऊंची प्रतिमा का महामस्तकाभिषेक किया गया। यह दृश्य श्रवणबेलगोला के भव्य आयोजन सम प्रतीत हो रहा था। आचार्य श्री के मुखारविंद से मंत्रोच्चारण के साथ शांतिधारा पूर्ण हुई। अभिषेक पूजन के पश्चात कार्यक्रम में दीप प्रज्वलन त्रिलोक तीर्थ कमेटी-बड़ा गांव के अध्यक्ष गजराज गंगवाल, कार्याध्यक्ष महेंद्र कुमार जैन, प्रचार मंत्री श्यामलाल जैन, ट्रस्टीगण अनिल जैन, जितेंद्र जैन, गोकुल चंद जैन, त्रिलोक जैन एवं ब्र. नवीन भैया द्वारा किया गया।